हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 105 | जौनपुर, बुधवार 10 जनवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

सीएम योगी ने हनुमानगढ़ी में दर्शन के बाद रामलला की आरती उतारी, जय श्रीराम का उद्घोष गूंजा

अब कार्यक्रम में बस चंद दिन ही बचे हैं, इसको देखते हुए सीएम योगी का दौरा काफी खास हो गया है

अयोध्या (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को अयोध्या पहुंच गए हैं। अयोध्या पहुंचते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबसे पहले अयोध्या के हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजा–अर्चना की। यहां आरती करते और आशीर्वाद लेकर ये राम मंदिर की ओर चल पड़े। सीएम योगी ने राम मंदिर में भी रामलला की आरती की। बता दें कि सीएम योगी 22 जनवरी को होने वाले प्राण–प्रतिष्ठा कार्यक्रमों का जायजा लेने अयोध्या पहुंचे । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को अयोध्या पहुंच गए हैं। 22 जनवरी को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियों की समीक्षा करने सीएम आज यहां पहुंचे हैं। अब कार्यक्रम में बस चंद दिन ही बचे हैं, इसको देखते हुए सीएम योगी का दौरा काफी खास हो गया है। तैयारियों का जायजा लेने से पहले सीएम योगी ने सबसे पहले राम मंदिर के शगर्भगृहश में पूजा की। रामलला की आरती करके सीएम योगी ने आशीर्वाद लिया। सीएम योगी अमानीगंज जलकल परिसर, पुलिस कंट्रोल रूम, लता मंगेशकर चौक, नगर निगम की ओर से निर्माणाधीन टेंट सिटी आदि के निरीक्षण करने के बाद वह आयुक्त कार्यालय में दोपहर दो बजे से विकास कार्यों व कानून व्यवस्था की समीक्षा की। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के पदाधिकारियों के साथ फिर उसके बाद संतों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को अयोध्या पहुंचे हैं। वे सबसे पहले हनुमंतलला के दरबार में पहुंचे और फिर रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। मंगलवार होने के नाते हनुमानगढ़ी में भारी भीड़ है। भीड़ नियंत्रण के लिए प्रशासन ने जगह–जगह बैरियर लगाकर श्रद्धालुओं को रोका है ताकि मुख्यमंत्री के आवागमन में कहीं कोई दिक्कत ना हो। मुख्यमंत्री के हनुमानगढ़ी के प्रवेश द्वार पर पहुंचते ही श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम का जयघोष शुरू कर दिया तो सीएम योगी ने भी हाथ हिलाकर श्रद्धालुओं का अभिवादन किया। 5 मिनट दर्शन पूजन करने के बाद सीएम योगी हनुमानगढ़ी से रामलला के दर्शन के लिए निकल पड़े हैं। रामलला के दर्शन के बाद वे विकास कार्यों का निरीक्षण करेंगे फिर सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक करेंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारी के साथ भी बैठक कर प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारी पर चर्चा करेंगे। रामनगरी के साधु संतों से मुलाकात करने की भी योजना है।

फ्रांस की पीएम एलिजा बेथ बोर्न ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। फ्रांसीसी प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों इस गर्मी में यूरोपीय संसद चुनावों और पेरिस ओलंपिक से पहले अपने दूसरे जनादेश को एक नई गति देना चाहते हैं। मैक्रों ने बोर्न के उत्तराधिकारी का नाम नहीं बताया, जो नई सरकार बनने तक बाकी सरकार के साथ कार्यवाहक के रूप में बने रहेंगे। देश की पेंशन प्रणाली और आव्रजन कानूनों में विवादित सुधारों के कारण पैदा हुए राजनीतिक संकटों से एक साल जूझने के बाद यह बदलाव किया गया। इस कदम से आवश्यक रूप से राजनीतिक रुख में बदलाव नहीं आएगा, बल्कि यह पेंशन और आव्रजन सुधारों से आगे बढ़ने और पूर्ण रोजगार को प्रभावित करने सहित नई प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करने की इच्छा का संकेत देगा। अपने त्याग पत्र में बोर्न ने कहा कि वह और मैक्रों अपनी पिछली बैठक में इस बात पर सहमत हुए थे कि सुधारों को आगे बढ़ाना पहले से कहीं अधिक आवश्यक है।

संबित पात्रा ने केजरीवाल पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता संबित पात्रा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर किए गए कार्यों की लागत की मांग करने वाली एक आरटीआई की प्रति साझा करते हुए आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक पर दिल्ली के विकास की कीमत पर व्यक्तिगत विकास करने का आरोप लगाया। पात्रा ने आरटीआई की कॉपी एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा यह सबूत है कि अरविंद केजरीवाल दिल्ली के विकास की कीमत पर अपना व्यक्तिगत विकास चाहते हैं।

दिल्ली सरकार से प्राप्त आरटीआई जवाब से पता चलता है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री के आवास पर केवल सिविल कार्यों पर 29,56,35,074– रुपये खर्च किए गए थे। यह जानकारी महाराष्ट्र निवासी अजय बासुदेव बोस ने मांगी थी।

बीरेन सिंह के बयान से बढ़ेगी कांग्रेस की टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने 9 जनवरी को कांग्रेस की शभारत न्याय यात्राश पर बात करते हुए कहा कि राज्य में मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति गंभीर है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की रैली को अनुमति देने के फैसले पर गहन विचार चल रहा है। विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों की रिपोर्ट की समीक्षा की जा रही है। इन रिपोर्टों के मूल्यांकन के बाद कोई निश्चित निर्णय लिया जाएगा। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा की योजना बनाई है, जो 14 जनवरी को इंफाल से शुरू होगी और 20 मार्च को मुंबई में समाप्त होगी। हालाँकि, राज्य सरकार ने अभी तक इस 6,500 किमी की यात्रा को शुरू करने की अनुमति नहीं दी है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर एन बीरेन सिंह के बयान पर राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि अब तक अनुमति मिल जानी चाहिए थी.।

खरगे ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारत–मालदीव विवाद के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर चीज को व्यक्तिगत रूप से लेते हैं। कर्नाटक के कलबुर्गी में पत्रकारों से बात करते हुए खरगे ने कहा कि नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद हर चीज को निजी तौर पर ले रहे हैं। खरगे ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमें अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध रखने चाहिए। हमें समय के अनुसार कार्य करना चाहिए। हम अपने पड़ोसियों को नहीं बदल सकते। मालदीव के उप मंत्री, अन्य कैबिनेट सदस्यों और सरकारी अधिकारियों द्वारा प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की लक्षद्वीप यात्रा के बारे में अपमानजनक और अरुचिकर संदर्भ देने के बाद एक बड़ा विवाद शुरू हो गया। पीएम मोदी ने 2 जनवरी को केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप का दौरा किया और कई तस्वीरें साझा की।

मालदीव के राजनेता ने अब जयशंकर को लेकर क्या ट्वीट कर दिया

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया लक्षद्वीप यात्रा के बाद भारत के खिलाफ अपनी अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर ऑनलाइन आलोचना का सामना करने वाले मालदीव के राजनेता जाहिद रमीज ने मंगलवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। जाहिद रमीज ने एक्स पर लिखा आदरणीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को जन्मदिन की शुभकामनाएँ! आपको सफलता और सकारात्मक कूटनीतिक प्रयासों से भरे साल की शुभकामनाएं। रमीज उस पोस्ट का जवाब दे रहे थे जिसमें जयशंकर ने जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया था। विदेश मंत्री एय जयशंकर के जन्मदिन पर पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि केंद्रीय मंत्री एस जयशंकर जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। भारत की विदेश नीति को आकार देने में उनका समर्पण और योगदान अनुकरणीय रहा है।

यह वर्ष और अधिक सफलता और अच्छा स्वास्थ्य लेकर आए क्योंकि वह समर्पण के साथ हमारे देश की सेवा करना जारी रखेंगे। जयशंकर ने जवाब देते हुए कहा किजन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद। आपका दृष्टिकोण एक निरंतर प्रेरणा है क्योंकि हम अपने राष्ट्र की प्रगति और विकास की दिशा में काम कर रहे हैं।

लक्षद्वीप में नया एयरपोर्ट बनाने की तैयारी में मोदी सरकार

मिनिकॉय द्वीप समूह में एक नया हवाई क्षेत्र विकसित करने के लिए सरकार के पास पहले एक प्रस्ताव रखा गया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल ही में लक्षद्वीप की यात्रा के कारण केंद्र शासित प्रदेश में पर्यटकों की भारी रुचि बढ़ गई है। भारत अब मिनिकॉय द्वीप समूह में एक नया हवाई अड्डा विकसित करने की योजना के साथ आगे बढ़ रहा है जहां यह सैन्य और नागरिक दोनों विमानों का संचालन करेगा। सरकारी सूत्रों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मोदी सरकार की योजना हवाई क्षेत्र बनाने की है जो लड़ाकू जेट, अन्य सैन्य विमानों और वाणिज्यिक विमानों दोनों को संचालित करने में सक्षम होगा। मिनिकॉय द्वीप समूह में एक नया हवाई क्षेत्र विकसित करने के लिए सरकार के पास पहले एक प्रस्ताव रखा गया था। अब, प्रस्ताव को पुनर्जीवित किया गया है और संयुक्त उपयोग के उद्देश्य की वकालत करते हुए फिर से सरकार को भेजा गया है। यह हवाई क्षेत्र भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होगा क्योंकि इसका उपयोग अरब सागर और हिंद महासागर क्षेत्र पर नजर रखने के लिए एक आधार के रूप में किया जा सकता है जहां समुद्री डकैती और असामाजिक गतिविधियां बढ़ रही हैं। भारतीय तटरक्षक रक्षा मंत्रालय के अधीन पहला बल था जिसने मिनिकॉय द्वीप समूह में हवाई पट्टी के विकास का सुझाव दिया था। वर्तमान प्रस्ताव के अनुसार, भारतीय वायु सेना मिनिकॉय से ऑपरेशन चलाने का नेतृत्व करेगी। मिनिकॉय का हवाई अड्डा रक्षा बलों को अरब सागर में अपने निगरानी क्षेत्र का विस्तार करने की क्षमता भी देगा। जैसा कि सरकार ने योजना बनाई है, हवाई अड्डा क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा देगा। इस समय केंद्र शासित प्रदेश में अगत्ती में केवल एक हवाई पट्टी है, जिसमें केवल संकीर्ण–बॉडी विमानों की क्षमता है। नए हवाई अड्डे के विकास और वर्तमान सुविधाओं के विस्तार के प्रस्ताव को हाल ही में पुनर्जीवित किया गया है। पिछले हफ्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के बाद से द्वीपों का समूह चर्चा और आकर्षण के केंद्र में है, जहां उन्होंने कई विकास परियोजनाओं की घोषणा की और स्नॉर्कलिंग में अपना हाथ आजमाया। मालदीव के साथ जारी विवाद के बीच एक अहम खबर सामने आई है। दरअसल भारत सरकार लक्षद्वीप के मिनिकॉय द्वीप पर नया एयरपोर्ट बनाने की योजना बना रही है। इस एयरपोर्ट के बनने से लक्षद्वीप में पर्यटन बढ़ने की उम्मीद है। खास बात ये है कि नया एयरपोर्ट नागरिक उद्देश्य के साथ ही सैन्य उद्देश्य के लिए भी होगा और यहां से नागरिक विमानों के साथ ही सैन्य विमान भी संचालित हो सकेंगे। सरकार से जुड़े सूत्रों ने बताया कि नए एयरपोर्ट पर नागरिक विमानों के साथ ही सैन्य ट्रांसपोर्ट विमान और फाइटर जेट्स भी संचालित हो सकेंगे ।

विवाद के बीच मोदी का शक्ति प्रदर्शन, गांधीनगर में रोड शो, साथ में होंगे (यूएई) के राष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात की राजधानी गांधीनगर में रोड शो निकालेंगे। इस दौरान उनके साथ संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायेद नाहयान भी मौजूद रहेंगे। देश ही नहीं पूरी दुनिया की नजर इस रोड शो और इस मुलाकात पर टिकी हुई है। एक बड़ा संदेश भारत की तरफ से उन देशों को भी दिया जा रहा है जो लगातार कई सवाल खड़े किए जा रहे थे। पिछले 70–75 सालों में गल्फ देशों के रिश्तों को इस्लामिक नजरिए से देखा गया है। लेकिन पिछले 10 सालों में काफी कुछ बदलाव देखने को मिला है। अगर आप केवल ट्रेड के आंकड़ों को देखें तो भारत का तीसरा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर यूएई है। अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) 9 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की अहमदाबाद यात्रा के दौरान इंडिया रोड शो का आयोजन किया। इस आयोजन के हिस्से के रूप में एएमसी सीमा के भीतर, गुजसेल सर्कल (हवाई अड्डे) से इंदिरा ब्रिज तक के मार्ग पर सांस्कृतिक प्रदर्शन के लिए 15 मंच स्थापित किए जाएंगे। शाम 5:30 से 5:40 बजे यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायेद नाह्यान का गांधीनगर एयरपोर्ट पर स्वागत करेंगे। शाम 6रू15 बजे यूएई के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे और कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।

पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान का एक बार फिर छलका दर्द

कहा कि जब कोई व्यक्ति शीर्ष पद पर नहीं रहता है तो होर्डिंग्स से उसकी तस्वीरें गधे के सिर से सींग की तरह गायब हो जाती हैं

मध्य प्रदेश (एजेन्सी)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का एक बार फिर से दर्द छलका है। उन्होंने कहा कि कहा कि जब कोई व्यक्ति शीर्ष पद पर नहीं रहता है तो होर्डिंग्स से उसकी तस्वीरें शगधे के सिर से सींगश की तरह गायब हो जाती हैं। भोपाल में आध्यात्मिक आंदोलन ब्रह्माकुमारीज के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, चौहान ने कहा कि जब हम दूसरों के लिए काम करने का लक्ष्य निर्धारित करते हैं तो जीवन आनंद से भर जाता है। मेरे पास अभी भी समय नहीं है। मैं लगातार व्यस्त रहता हूं। यह अच्छा है कि हमें राजनीति से दूर काम करने का मौका मिल रहा है। इसके साथ ही शिवराज ने कहा कि मोदी जी (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) जैसे नेता हैं जो देश के लिए जीते हैं।श लेकिन रंग देखने वाले बहुत हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यदि आप मुख्यमंत्री हैं, (ऐसे लोग कहते हैं) शभाईसाहब आपके पैर और हाथ कमल की तरह हैंश। लेकिन जब कोई (मुख्यमंत्री पद पर) नहीं रहता तो (उसकी) तस्वीरें होर्डिंग्स से ऐसे गायब हो जाती हैं जैसे गधे के सिर से सींग। 64 वर्षीय चौहान ने पिछले महीने मोहन यादव के लिए मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। भारतीय जनता पार्टी द्वारा पिछले साल हुए विधानसभा चुनावों में 230 में से 163 सीटें जीतकर भारी जीत दर्ज करने के बाद यह परिवर्तन हुआ। कांग्रेस 66 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही। लेकिन यह पहली बार नहीं है जब चौहान ने चार बार राज्य की कमान संभालने के बाद सीएम पद खोने पर चुटकी ली है। हाल ही में बीजेपी नेता ने कहा था कि कभी–कभी राज्याभिषेक के बाद वनवास पर जाना पड़ता है। उन्होंने कहा था कि हमारी सरकार काम करेगी और किसानों से जो वादे किये गये हैं, उन्हें पूरा किया जायेगा। नई सरकार लाडली बहना आवास योजनाश जैसी योजनाओं को आगे बढ़ाएगी। कुछ बड़े उद्देश्य होंगे, शकई बार राज तिलक होने के बाद वनवास हो जाता हैश लेकिन यह कुछ उद्देश्यों की पूर्ति के लिए होता है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इन दिनों अपने बयानों से खासे चर्चाओं में बने हुए हैं. मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में बीजेपी की बंपर जीत के बावजूद उन्हें आलाकमान ने मुख्यमंत्री नहीं बनाया है. मुख्यमंत्री की कुर्सी जाने के बाद एक बार फिर शिवराज सिंह चौहान का दर्द छलक पड़ा है. उनके बयान से ये जाहिर भी हो गया. पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कुर्सी है तो चरण कमल, हटे तो होर्डिंग से फोटो भी गायब. पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान राजधानी भोपाल स्थित ब्रह्मकुमारीज सुख शांति भवन के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे. इस दौरान सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जीवन में जब हम दूसरों के लिए काम करते हैं,।

रुद्राक्ष और मेहुली ने एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में भारत के लिए पांचवां स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली (एजेन्सी)। रुद्राक्ष पाटिल और मेहुली घोष की जोड़ी ने मंगलवार को यहां 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा जीतकर भारत को निशानेबाजी एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में पांचवां स्वर्ण पदक दिलाया। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में शेन युफान और झू मिंगशुआई की चीन की जोड़ी को 16–10 से हराया। रुद्राक्ष और मेहुली की जोड़ी क्वालीफिकेशन में कुल 631.3 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही थी। युफान और मिंगशुआई ने 632.3 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था। रिदम सांगवान और अर्जुन सिंह चीमा की जोड़ी ने भी 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के फाइनल में जगह बना ली है जहां उनका सामना थू विन्ह ट्रिनह और कुआंग हुइ फाम की वियतनाम की जोड़ी से होगा। रिदम और अर्जुन की जोड़ी क्वालीफिकेशन में 582 अंक के साथ शीर्ष पर रही थी। वियतनाम की जोड़ी ने 580 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था।

युवा निशानेबाजों वरूण तोमर और ईशा सिंह ने पुरुष और महिला 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतते हुए भारत के लिए दो ओलंपिक कोटा हासिल किए थे। ये दोनों स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की क्रमशरू पुरुष और महिला टीम का भी हिस्सा थे।

इंडिया गठबंधन में लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर चर्चा

कांग्रेस को कमजोर कर दिल्ली और पंजाब में सबसे बड़ी पार्टी बनी आम आदमी पार्टी पर इस चर्चा के दौरान सबकी निगाहें थी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। आखिरकार इंडिया गठबंधन में लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर चर्चा की शुरुआत हो गई है। जहां राजद और कांग्रेस की बैठक थी तो वहीं आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के नेताओं की बैठक हुई और दिल्ली तथा पंजाब में सीट बंटवारे को लेकर चर्चा की गई। कांग्रेस को कमजोर कर दिल्ली और पंजाब में सबसे बड़ी पार्टी बनी आम आदमी पार्टी पर इस चर्चा के दौरान सबकी निगाहें थी। हालांकि, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की ओर से चर्चा को सार्थक बताया गया है और दावा किया क्या है कि आने वाले दिनों में फिर से बात की जाएगी। हालांकि, सूत्र बताते हैं कि बातचीत के दौरान लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर कोई फार्मूला नहीं निकल सका है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच बैठक में कांग्रेस की नेशनल अलायंस कमेटी के प्रमुख मुकुल वासनिक, अशोक गहलोत समेत स्थानीय नेता भी शामिल हुए। वहीं, आम आदमी पार्टी का प्रतिनिधित्व राज्यसभा सांसद संदीप पाठक और दिल्ली कैबिनेट की मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज ने किया। दोनों ही ओर से बैठक के बाद मीडिया से कोई बातचीत नहीं की गई है। आप नेता और दिल्ली के मंत्री गोपाल ने एक दिन बाद बताया कि दोनों पार्टियों के नेताओं ने 2024 लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे के समझौते पर बैठक की। आम आदमी पार्टी ने अपनी राय रखी है कि दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, गोवा और गुजरात में उसकी मजबूत उपस्थिति है। इन राज्यों में हम कैसे चुनाव लड़ेंगे, इस पर हम अगली बैठक में चर्चा करेंगे। सूत्र बताते हैं कि इस बैठक में आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में कांग्रेस को तीन लोकसभा सीटें देने का प्रस्ताव रखा। दिल्ली में लोकसभा के 7 सीटें हैं। 2019 के चुनाव में सभी सीटों पर भाजपा की जीत हुई थी। कांग्रेस को 22 फीसदी तो आम आदमी पार्टी को 18: वोट मिले थे। इसके अलावा पंजाब में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को 6 सीटों का ऑफर दिया है। पंजाब की कुल 13 सीटों में से 2019 में कांग्रेस ने 8 सीटों पर जीत दर्ज की थी। कांग्रेस की टेंशन को बढ़ाते हुए आम आदमी पार्टी ने हरियाणा की कुल 10 सीटों में से तीन पर दावा ठोक दिया। वहीं, गोवा की दो लोकसभा सीटों में से एक पर चुनाव लड़ने की बात कही है। इतना ही नहीं, गुजरात के एक लोकसभा सीट पर भी आम आदमी पार्टी अपनी दावेदारी कर रही है। आपको बता दें कि अरविंद केजरीवाल ने गुजरात की भरूच लोकसभा सीट से चौतर वसावा की उम्मीदवारी का भी ऐलान कर दिया है। वसावाइस समय जेल में बंद हैं। दिल्ली और पंजाब तो ठीक है लेकिन गुजरात, गोवा और हरियाणा में सीटें मांग कर आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी है।

भाजपा बोली– राहुल गांधी को देश में गंभीरता से नहीं लिया जाता

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस की भारत न्याय यात्रा पर भाजपा का हमला जारी है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी को हमारे देश में गंभीरता से नहीं लिया जाता। वह यात्रा में तरह–तरह की टिप्पणियां करेंगे जिससे सबका मनोरंजन होगा और साथ ही कांग्रेस पार्टी का उपहास भी उड़ेगा। बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि जिस तरह से वे तीन राज्यों में हार गए हैं, जिस तरह से ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल को उन पर भरोसा नहीं है और मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम प्रस्तावित कर रहे हैं, और जिस तरह से कांग्रेस धीरे–धीरे खुद को प्छक्प् गठबंधन से खोती जा रही है और यह निश्चित रूप से राहुल गांधी को फिर से लॉन्च करने और उनकी ब्रांडिंग करने और कांग्रेस पार्टी को फिर से स्थापित करने की यात्रा है। भाजपा नेता ने दावा किया कि केसी त्यागी का कहना है कि शभारत न्याय यात्राश निकाली जानी चाहिए थी. .. मेरी राय में, इंडिया गठबंधन में मतभेदों को देखते हुए शभारत जोड़ो यात्राश समय की मांग है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि ये आपसी गठबंधन नहीं, स्वार्थों का गठबंधन है...पश्चिम बंगाल, बिहार, दिल्ली, यूपी, पंजाब की सीटें जोड़ लीजिए फिर देखिए कांग्रेस को कितनी सीटें मिलती हैं।

सम्पादकीय

मालदीव प्रकरण से सबक ले दुनिया, पड़ोस प्रथम की नीति पर चलने वाले भारत को छेड़ा तो खैर नहीं

भारत हमेशा 'पड़ोस प्रथम नीति' को आगे रखकर चलता है लेकिन यदि पड़ोसी ही आंख दिखाने लगे तो उसे लगे हाथ तगड़ा जवाब भी दे दिया जाता है। कर्ज में डूब चुके मालदीव को भारत ने लगातार आर्थिक मदद देकर उबारा, वहां बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में अपना पैसा लगाया, भुखमरी और महामारी के समय वहां भोजन और वैक्सीन पहुँचाई। वहां के पर्यटन क्षेत्र को खड़ा करने के लिए भारतीयों ने ऐसा योगदान दिया कि माले के सरकारी खजाने में डॉलरों का ढेर लग गया। लेकिन अब वहां जो चीन समर्थक नई सरकार आई है वह लगातार भारत को अपमानित करने का काम कर रही है। भारत ने पहले तो बेहद संयमित रुख अपनाया लेकिन जब मालदीव के तीन मंत्रियों ने भारत के प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणियां कर दीं और भारतीय पर्यटन क्षेत्र का मजाक उड़ाया तो पूरे देश ने एक साथ खड़े होकर मालदीव को ऐसा सबक सिखाया कि वह नजीर बन गया। प्रधानमंत्री के खिलाफ मालदीव के तीन मंत्रियों की टिप्पणियों से गुस्साये भारतीयों ने मालीदव की यात्रा रद्द करनी शुरू कर दी। होटलों और हवाई टिकटों की बुकिंग रद्द होने लगी और सोशल मीडिया पर बॉयकॉट मालीदव ट्रेंड होने लगा तो माले सरकार घबरा गयी और आनन–फानन में उन तीनों मंत्रियों को निलंबित कर दिया जिन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री पर निशाना साधा था। साथ ही मालदीव सरकार ने एक बयान जारी कर यह भी कहा कि मंत्रियों के बयान मालदीव की नीति के अनुरूप नहीं हैं। यही नहीं, मालदीव की पूर्व सरकार के मंत्रियों और पूर्व राष्ट्रपतियों ने भी अपने ही देश की सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और भरोसेमंद पड़ोसी भारत के खिलाफ की गयी टिप्पणियों को श्अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारनेश् के समान बताया। जो लोग श्नया भारतश् क्या है, यह बात आज तक नहीं समझे हैं उन्हें जरा उन टिप्पणियों पर गौर फरमा लेना चाहिए जो श्बॉयकॉट मालीदवश् या श्पहले भारत के द्वीपों की सैर करोश् जैसे हैशटैग के साथ लिखी गयी हैं। जिस तरह फिल्म उद्योग, खेल जगत और अन्य क्षेत्रों की हस्तियों ने प्रधानमंत्री के समर्थन में टिप्पणियां करते हुए मालदीव को खरी खरी सुनाई है उससे माले के पूरे पर्यटन उद्योग को दिन में तारे दिख गये हैं। भारतीयों के रुख को देखते हुए अन्य देशों ने भी बड़ी प्रेरणा ली होगी क्योंकि आज के समय में भारतीय नागरिक ही कई देशों की पर्यटन अर्थव्यवस्था में जान फूंक रहे हैं। इसके अलावा इस पूरे प्रकरण से लक्षद्वीप के पर्यटन को भी नये पंख लगना तय हो गया है क्योंकि अधिकतर लोगों ने वहां की यात्रा की इच्छा जताई है। आने वाले दिनों में संभव है कि वहां के लिए अधिक से अधिक फ्लाइटें शुरू हो जाएं ताकि लोग आसानी से वहां पहुँच सकें। जहां तक मालदीव के मंत्रियों की टिप्पणियों पर भारत के आधिकारिक रुख की बात है तो भारतीय उच्चायोग के स्तर पर तत्काल ही आपत्ति जता दी गयी थी लेकिन अब भारत में मालदीव के राजदूत को विदेश मंत्रालय में तलब कर भी अच्छी तरह से सुना दिया गया है और मालदीव के कई मंत्रियों द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई टिप्पणियों पर कड़ी चिंता व्यक्त की गई। हालांकि मालदीव सरकार अपने बचाव में तर्क दे रही है कि मोदी के खिलाफ अपमानजनक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर रविवार को ही तीन उप मंत्रियों को निलंबित कर दिया गया है। हम आपको बता दें कि तीनों उप मंत्रियों ने लक्षद्वीप की यात्रा के बाद 'एक्स' पर प्रधानमंत्री की ओर से की गयी पोस्ट के लिए उनकी आलोचना की थी और कहा था कि यह केंद्र शासित प्रदेश को मालदीव के वैकल्पिक पर्यटन स्थल के रूप में पेश करने का एक प्रयास है। मालदीव की मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, युवा मंत्रालय में उप मंत्रियों– मालशा शरीफ, मरियम शिउना और अब्दुल्ला महजूम माजिद को उनके पदों से निलंबित कर दिया गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यह विवाद ऐसे दिन शुरू हुआ, जब मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू एक सप्ताह की चीन यात्रा पर रवाना हुए। देखा जाये तो मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के प्रमुख समुद्री पड़ोसियों में से एक है और माले की पिछली सरकार में दोनों देशों के बीच रक्षा क्षेत्रों सहित समग्र द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति देखी गई थी। नये राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को चीन का करीबी माना जाता है। पदभार संभालने के तुरंत बाद मुइज्जू ने मालदीव से भारतीय सैन्यकर्मियों की वापसी का आह्वान किया था। माना जा रहा है कि चीन समर्थक और मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन के करीबी सहयोगी माने जाने वाले मुइज्जू ने चीन की उम्मीदें बढ़ा दी हैं कि भारत के दक्षिणी तट के करीब हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से स्थित द्वीपीय देश उसके समर्थन में अब नीतियों को आगे बढ़ाएगा।

चीनी मीडिया कर रहा है मोदी की तारीफ

एक ओर भारत ने एक बार फिर कहा है कि चीन के साथ उसके संबंध ''सामान्य नहीं'' हैं तो दूसरी ओर दो बड़ी और हैरान करने वाली खबरें आई हैं। पहली खबर यह है कि चीनी सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की है। दूसरी खबर यह है कि चीनी राजनयिकों का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नागपुर मुख्यालय का दौरा करके आया है। सवाल उठता है कि क्या चीन की ओर से आरएसएस और भाजपा को खुश करने का प्रयास किया जा रहा है? सवाल उठता है कि मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार ने अपने सख्त रुख के चलते जिस तरह सैन्य, आर्थिक और रणनीतिक मोर्चे पर चीन को झटके पर झटके दिये हैं क्या उससे राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सारी हेकड़ी निकल गयी है? हम आपको बता दें कि ग्लोबल टाइम्स में भारत या भारत सरकार की तारीफ होना सामान्य बात नहीं है क्योंकि इस अखबार का काम भारत विरोधी एजेंडा चलाना और भारत के बारे में अफवाहें फैलाना है। इसलिए जब ग्लोबल टाइम्स में िंदह श्रपंकवदह ने अपनी हालिया भारत यात्रा का उल्लेख करते हुए भारत नैरेटिव की सराहना की तो सभी का चौंकना स्वाभाविक था।

अगर लेखक अपने लेख में भारत या भारत के प्रधानमंत्री की तारीफ करने का साहस जुटा रहा है तो यकीनन इसके लिए उसने राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अनुमति ली होगी। इसलिए सवाल उठता है कि चीन के मन में कुछ और चल रहा है या उसे भारत की बढ़ती शक्ति का अहसास हो गया है? जहां तक झांग जियादोंग के आलेख की बात है तो आपको बता दें कि इसमें उन्होंने लिखा है कि मैंने हाल ही में दो बार भारत का दौरा किया। यात्राओं के दौरान मैंने पाया कि भारत की घरेलू और विदेशी स्थिति चार साल पहले की तुलना में काफी बदल गई है। भारत ने आर्थिक विकास और सामाजिक शासन में उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए हैं और इसकी महान शक्ति सपने से वास्तविकता की ओर बढ़ गई है। हालाँकि, संभावित जोखिम और संकट भी सामने आने लगे हैं। वह लिखते हैं कि एक ओर भारत ने आर्थिक विकास और सामाजिक शासन में बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की हैं। इसकी अर्थव्यवस्था ने गति पकड़ ली है और यह सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की राह पर है। साथ ही नई दिल्ली ने शहरी प्रशासन में भी प्रगति की है। वह लिखते हैं कि हालाँकि धुंध अभी भी गंभीर है, लेकिन चार साल पहले विमान से उतरते ही जो विशिष्ट गंध आपको महसूस होती थी, वह आम तौर पर गायब हो गई है। इससे पता चलता है कि नई दिल्ली में सार्वजनिक माहौल कुछ बेहतर हुआ है। वह लिखते हैं कि भारतीय प्रतिनिधियों से बातचीत के दौरान चीनी विद्वानों के प्रति उनका रवैया कहीं–कहीं अड़ियल होने की बजाय अधिक सहज और संयत रहा। उदाहरण के लिए, चीन और भारत के बीच ष्व्यापार असंतुलनष पर चर्चा करते समय, भारतीय विद्वान मुख्य रूप से व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए चीन के उपायों पर ध्यान केंद्रित करते थे। लेकिन अब वे भारत की निर्यात क्षमता पर अधिक जोर दे रहे हैं। उन्होंने लिखा है कि इसके अलावा, अपने तीव्र आर्थिक और सामाजिक विकास के साथ, भारत रणनीतिक रूप से अधिक आश्वस्त हो गया है और ष्भारत नैरेटिवष बनाने और विकसित करने में अधिक सक्रिय हो गया है।

पीएम मोदी भाजपा के लिए चलेंगे बड़ा दांव

शिव शरण शुक्ला

'इंडिया' गठबंधन के भीतर सीटों के बंटवारे को लेकर चल रही खींच–तान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने गठबंधन का चेहरा पेश करने में असमर्थता के चलते आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को जीतने से रोक पाना विपक्षी गठबंधन के लिए दुर्गम चुनौती बन गया है। चुनौती की विकटता इससे समझी जा सकती है कि हममें से कई आगामी चुनाव को ऐसी स्पर्धा मान रहे हैं, जिसमें 'इंडिया'गठबंधन ने अब तक पहला कदम भी नहीं बढ़ाया है, जबकि भाजपा मंजिल पर दस्तक दे रही है। लेकिन एक व्यक्ति ऐसा कभी नहीं सोचेगा, और वह हैं प्रधानमंत्री मोदी। आगामी अप्रैल–मई में होने वाले 18वें लोकसभा चुनाव में लगातार तीसरे कार्यकाल की तरफ बढ़ रहे नरेंद्र मोदी विपक्षी गठबंधन की तरफ से आने वाली हर चुनौती को, चाहे वह कितनी ही मामूली क्यों न हो, पूरी सतर्कता और गंभीरता से ले रहे हैं। नरेंद्र मोदी की तरफ से भाजपा को साफ निर्देश है कि विपक्षियों पर पूरी नजर रखें और उन्हें किसी भी हाल में अनियंत्रित न होने दें। इसलिए, वह चाहते हैं कि भाजपा उनके लिए वोट जुटाने के उद्देश्य से पूरी ताकत से काम करे। यही वजह है कि भाजपा की चुनाव–प्रबंधन रणनीति में विपक्ष के हर हमले का, वह कितना ही कमजोर क्यों न हो, मुंहतोड़ जवाब देने का संदेश जरूर शामिल होगा। चुनावी अभियानों में केंद्रीय मंत्रियों के जमावड़े और भाजपा की तरफ से खासकर ग्रामीण व शहरी गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों तक लक्षित ढंग से अपने संदेश पहुंचाने की व्यापक मुहिम देखने को मिले, तो हैरत नहीं होनी चाहिए। विभिन्न रणनीतिक सत्रों में मोदी अपनी पार्टी के नेताओं से लगातार कह रहे हैं कि उन्हें भारत के विकास की कहानी को लेकर जनता तक पहुंचना चाहिए और विपक्षियों की किसी भी चाल को हल्के में नहीं लेना चाहिए, चाहे वह 15 राज्यों की 100 लोकसभा सीटों को छूने वाली राहुल गांधी की नई यात्रा ही क्यों न हो। मोदी का भाजपा के रणनीतिकारों को संदेश साफ है कि नए और प्रभावशाली जनादेश के साथ सत्ता में लौटने के लिए हर मतदाता और हर राज्य महत्वपूर्ण है। चाहे उम्मीदवारों का चयन करना हो या क्षेत्रवार मुद्दे उठाने हों, अमित शाह की सीधी निगरानी में दोहरी जांच की व्यवस्था लागू की गई है। जब सब कुछ केंद्रीय नेतृत्व को ही करना है, तो मुमकिन है कि पार्टी के लोग आरामतलब और मनचाहे नतीजों के लिए प्रधानमंत्री की शख्सियत पर निर्भर हो जाएं। पर मोदी ऐसा होने

उन्होंने भाजपा के लिए ज्यादा संभावनाएं न रखने वाले राज्यों में भी दिखाया है कि वह कितनी ज्यादा कोशिशें करते हैं। तमिलनाडु के त्रिची में और केरल के त्रिशूर में उनकी सभाओं को ही देखें। इन राज्यों में मोदी ने हिंदुत्व के बजाय अपने विकास के एजेंडे के जरिये स्थानीय मतदाताओं से जुड़ने की कोशिश की। हां, थोड़ा–सा हिंदू पुट केवल क्षेत्र की आध्यात्मिक विरासत की ओर इशारा करने तक सीमित जरूर था। उल्लेखनीय है कि पिछले कई वर्षों से भाजपा केरल और तमिलनाडु में जमीनी स्तर पर काम कर रही है, इससे बेफिक्र कि उसे मिल रहा समर्थन संसद या राज्य विधानसभाओं में सीटों में तब्दील हो रहा है या नहीं। जाहिर है कि एक अथक प्रचारक के रूप में मोदी समय और ऊर्जा का निवेश करने को तब भी तैयार हैं, भले ही रिटर्न की गारंटी न हो। मोदी ने अमित शाह और दूसरे चुनावी योद्धाओं को एहसास दिलाया है कि आगामी चुनाव में भाजपा के लिए दूसरे दलों की तुलना में दांव कहीं ज्यादा बड़ा है।

नहीं देंगे। उन्होंने भाजपा के लिए ज्यादा संभावनाएं न रखने वाले राज्यों में भी दिखाया है कि वह कितनी ज्यादा कोशिशें करते हैं। तमिलनाडु के त्रिची में और केरल के त्रिशूर में उनकी सभाओं को ही देखें। इन राज्यों में मोदी ने हिंदुत्व के बजाय अपने विकास के एजेंडे के जरिये स्थानीय मतदाताओं से जुड़ने की कोशिश की। हां, थोड़ा–सा हिंदू पुट केवल क्षेत्र की आध्यात्मिक विरासत की ओर इशारा करने तक सीमित जरूर था। उल्लेखनीय है कि पिछले कई वर्षों से भाजपा केरल और तमिलनाडु में जमीनी स्तर पर काम कर रही है, इससे बेफिक्र कि उसे मिल रहा समर्थन संसद या राज्य विधानसभाओं में सीटों में तब्दील हो रहा है या नहीं। जाहिर है कि एक अथक प्रचारक के रूप में मोदी समय और ऊर्जा का निवेश करने को तब भी तैयार हैं, भले ही रिटर्न की गारंटी न हो। मोदी ने अमित शाह और दूसरे चुनावी योद्धाओं को एहसास दिलाया है कि आगामी चुनाव में भाजपा के लिए दूसरे दलों की तुलना में दांव कहीं ज्यादा बड़ा है। 2024 में जीत भाजपा के लिए एक नए युग का द्वार खोलेगी, जो अगले एक दशक के लिए पार्टी को निर्विवाद रूप से सबसे आगे खड़ा कर देगी। नरेंद्र मोदी के अनुसार, यही वह समय होगा, जब देश के लिए सबसे अच्छी चीजें होनी तय हैं और 2047 तक सौ वर्ष के हो चुके आजाद भारत में भाजपा ही देश में महत्वपूर्ण बदलावों की अग्रदूत के रूप में देखी जाएगी। सभी भाजपा–विरोधी वोटों को एकजुट करने में विपक्ष कई चुनौतियों से जूझ रहा है। कुछ राज्यों में गठबंधन सहयोगी एक–दूसरे के विरोधी हैं, जिनमें से ज्यादातर एक खास क्षेत्र या सामाजिक समूह तक सीमित हैं, जो सहयोगियों को वोट हस्तांतरित करने की ताकत भी नहीं रखते। विपक्ष जहां नेतृत्व व आपसी संवाद के मुद्दे पर अनिश्चित है, और सिर्फ एक बात की रट लगा रहा है कि भाजपा की सीटें कम करके मोदी को रोकना होगा, वहीं, नरेंद्र मोदी की अपनी पार्टी पर पूरी पकड़ है। पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी तृणमूल और विपक्षी कांग्रेस व माकपा सीटों को लेकर एक–दूसरे के दावों पर सवाल उठा रहे हैं। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी के सबसे बड़ा घटक होने का दावा कर रही उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने 23 सीटों पर दावा किया है, जबकि बाकी 25 सीटें कांग्रेस और एनसीपी के बीच बंटेंगी। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने सभी 80 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। ऐसे में, कांग्रेस व गठबंधन के दूसरे सहयोगियों की स्थिति की आसानी से कल्पना की जा सकती है। चुनावी विश्लेषक 2024 के लोकसभा चुनाव को कांग्रेस के लिए अस्तित्व की लड़ाई मान रहे हैं। उनके लिए यह बनाओ या बिगाड़ो वाली स्थिति है। 2019 में भाजपा ने अपने दम पर 303 सीटें जीती थीं, जो 2014 की 282 सीटों से ज्यादा थीं। जबकि कांग्रेस को 52 सीटें मिली थीं। 2019 में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के पास 332 सांसद थे और 'इंडिया' गठबंधन के मौजूदा 28 सदस्यों के पास 144 सीटे थीं। लेकिन 2019 के बाद से एनडीए की संरचना में बड़े बदलाव हुए हैं। अन्नाद्रमुक, जदयू और अकाली दल जैसे क्षेत्रीय दल उसका साथ छोड़ चुके हैं। फिर भी, 543 सदस्यीय लोकसभा की वर्तमान संरचना दर्शाती है कि 319 सांसदों के साथ एनडीए, 139 सीटों वाले 'इंडिया' गठबंधन से काफी आगे है। मौजूदा एनडीए सदस्यों का 2019 में संयुक्त वोट शेयर करीब 40 फीसदी था, जबकि 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगियों को 35 फीसदी वोट मिले थे। नरेंद्र मोदी का सपना 350 से ज्यादा सीटें और 40 से 50 फीसदी वोट शेयर पाने का है। जाहिर है कि वह अब तक की उपलब्धियों को लेकर संतुष्ट नहीं बैठेंगे और यकीनन एक नए कीर्तिमान की ओर बढ़ना चाहेंगे। उन्होंने भाजपा के लिए ज्यादा संभावनाएं न रखने वाले राज्यों में भी दिखाया है कि वह कितनी ज्यादा कोशिशें करते हैं। तमिलनाडु के त्रिची में और केरल के त्रिशूर में उनकी सभाओं को ही देखें। इन राज्यों में मोदी ने हिंदुत्व के बजाय अपने विकास के एजेंडे के जरिये स्थानीय मतदाताओं से जुड़ने की कोशिश की। हां, थोड़ा–सा हिंदू पुट केवल क्षेत्र की आध्यात्मिक विरासत की ओर इशारा करने तक सीमित जरूर था। उल्लेखनीय है कि पिछले कई वर्षों से भाजपा केरल और तमिलनाडु में जमीनी स्तर पर काम कर रही है, इससे बेफिक्र कि उसे मिल रहा समर्थन संसद या राज्य विधानसभाओं में सीटों में तब्दील हो रहा है या नहीं। जाहिर है कि एक अथक प्रचारक के रूप में मोदी समय और ऊर्जा का निवेश करने को तब भी तैयार हैं, भले ही रिटर्न की गारंटी न हो। मोदी ने अमित शाह और दूसरे चुनावी योद्धाओं को एहसास दिलाया है कि आगामी चुनाव में भाजपा के लिए दूसरे दलों की तुलना में दांव कहीं ज्यादा बड़ा है। 2024 में जीत भाजपा के लिए एक नए युग का द्वार खोलेगी, जो अगले एक दशक के लिए पार्टी को निर्विवाद रूप से सबसे आगे खड़ा कर देगी। नरेंद्र मोदी के अनुसार, यही वह समय होगा, जब देश के लिए सबसे अच्छी चीजें होनी तय हैं और 2047 तक सौ वर्ष के हो चुके आजाद भारत में भाजपा ही देश में महत्वपूर्ण बदलावों की अग्रदूत के रूप में देखी जाएगी। सभी भाजपा–विरोधी वोटों को एकजुट करने में विपक्ष कई चुनौतियों से जूझ रहा है। कुछ राज्यों में गठबंधन सहयोगी एक–दूसरे के विरोधी हैं, जिनमें से ज्यादातर एक खास क्षेत्र या सामाजिक समूह तक सीमित हैं, जो सहयोगियों को वोट हस्तांतरित करने की ताकत भी नहीं रखते। विपक्ष जहां नेतृत्व व आपसी संवाद के मुद्दे पर अनिश्चित है, और सिर्फ एक बात की रट लगा रहा है कि भाजपा की सीटें कम करके मोदी को रोकना होगा, वहीं, नरेंद्र मोदी की अपनी पार्टी पर पूरी पकड़ है। पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी तृणमूल और विपक्षी कांग्रेस व माकपा सीटों को लेकर एक–दूसरे के दावों पर सवाल उठा रहे हैं। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी के सबसे बड़ा घटक होने का दावा कर रही उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने 23 सीटों पर दावा किया है, जबकि बाकी 25 सीटें कांग्रेस और एनसीपी के बीच बंटेंगी। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने सभी 80 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। ऐसे में, कांग्रेस व गठबंधन के दूसरे सहयोगियों की स्थिति की आसानी से कल्पना की जा सकती है।

राधु करमाकर की तीसरी आंख

सिनेमा को परदे पर लाता है कैमरा। कैमरा हर दृश्य को कैद करता है और फिल्म को संभव बनाता है। फिर भी जब हम सिनेमा की बात करते हैं तो सिर्फ निर्देशक का नाम लेते हैं, अभिनेता–अभिनेत्री का नाम लेते हैं। सामान्य दर्शक को बस सिनेमा देखने से मतलब होता है, सिनेमा के पीछे की बातों से खास मतलब नहीं होता है, वे उसके विषय में शायद ही कुछ जानते हों। कैमरामैन का काम कितना परिश्रम और निष्ठा की मांग करता है, यह लोगों के मन में शायद ही आता है। आज मैं एक ऐसे सिनेमाटोग्राफर की बात करने जा रही हूं, जिसने अर्श से फर्श तक का सफर अपनी मेहनत और लगन से पूरा किया। यह न केवल फोटोग्राफर था, वरन इसने फिल्म भी निर्देशित की। हम लोगों में से अधिकांश ने 'जिस देश में गंगा बहती है' फिल्म देखी है। इस फिल्म का निर्देशन इसी सिनेमाटोग्राफर ने किया था। हुआ न आश्चर्य! क्योंकि सामान्य दर्शक के लिए यह राज कपूर की फिल्म मात्र है। राज कपूर इस फिल्म के नायक थे, उन्होंने इसे प्रड्यूस भी किया था मगर इसके निर्देशक राज कपूर नहीं, राधु करमाकार थे। यही एकमात्र फिल्म थी जो उन्होंने निर्देशित की वरना वे सिनेमाटोग्राफर थे। राज कपूर की कई फिल्मों का उन्होंने ही फिल्मांकन किया था। वे स्वयं को निर्देशक नहीं, कैमरामैन ही मानते थे तभी तो कैमरा को अपनी तीसरी आंख कहते थे। उनकी किताब का नाम भी है, 'कैमरारू मेरी तीसरी आंख'। कैमरामैन राधु करमाकर अविभाजित भारत के बंगाल में 14 अक्टूबर 1916 को जन्मे थे। उनका बचपन भयंकर गरीबी में गुजरा। अपने जन्मदिन से कुछ पहले 5 अक्टूबर 1993 को एक सड़क दुर्घटना में 77 साल की उम्र में उनकी मृत्यु हुई। उनकी मृत्यु के बाद उनकी पत्नी वीणा ने अपने बड़े बेटे के सहयोग से राधु के कागजों, डायरियों को छान कर उनकी जीवनी तैयार की, जिसे राजकमल प्रकाशन ने उनकी आत्मकथा के नाम से प्रकाशित किया है। इस जीवनी का हिन्दी रूपांतरण विनोद दास ने 'कैमरारू मेरी तीसरी आंख' नाम से किया है। राधु करमाकर का पूरा नाम राधिका जीवन करमाकर था। उनके वैष्णव माता–पिता ने यह नाम रखा था, लेकिन राजकपूर को लगा कि यह नाम काफी दकियानूसी है, साथ ही बहुत लंबा भी, अतरू उन्होंने इसे छोटा करके राधु बना दिया और वे इसी नाम से प्रसिद्ध हो गए। स्वर्णकारों के परिवार की यह पेटपोछना संतान शुरू से शारीरिक रूप से कमजोर थी। इनके पिता का व्यवसाय कलकत्ता में भी था, जिसे राधु के बड़े भाई देखते थे। घर की माली हालत अच्छी न थी, अतरू राधु सातवीं तक पढ़ाई करने के बाद कुछ कमाई करने कलकत्ता आ गए। बचपन से कई बार उन्होंने मौत का सामना किया, लेकिन हिम्मत नहीं हारी। राधु ने चौदह वर्ष की उम्र में पहली बार एक मूक फिल्म देखी। यह फिल्म जयदेव के जीवन पर आधारित थी। उसी समय कहीं फिल्म से जुड़ने के बीज उनके भीतर पड़ गए। कलकत्ते में काफी संघर्ष के बावजूद वे अपने खानदानी पेशे में मन न लगा सके और जतिन दास के शिष्य बने। यह एक रोचक कथा है, जो काम के प्रति उनकी दृढ़ता प्रदर्शित करती है। उन दिनों विशेषज्ञों में अपनी कला को छिपाकर रखने की प्रवृति थी और वे अपने सहयोगियों से बड़ा रूखा और कठोर व्यवहार करते थे। घर वालों के न चाहने के बावजूद उन्होंने एक फिल्म लैब में काम शुरू किया। आश्चर्य उनके पिता ने आपत्ति न की। उन दिनों निगेटिव को हाथ से धोया जाता और काम करने का स्थान बहुत बुरी स्थिति में होता था। अतरू लोग जल्द ही बीमार पड़ते और अक्सर मर जाते थे। ऐसे ही एक व्यक्ति द्वारा रिक्त स्थान पर राधु को काम मिला। इस काम को करते हुए वे मौका मिलते भाग कर स्टूडियो जाते और कैमरा संचालन ध्यान से देखते और जब कोई नहीं होता तो कैमरा भी परखते। उनकी यह चोरी एक दिन पकड़ी गई और कैमरामैन भागवत वाशीकर ने उनकी लगन से प्रभावित हो उन्हें सिखाना स्वीकार किया। इस तरह राधु का प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। वैसे सैद्धांतिक शिक्षा का उन्हें अवसर नहीं मिला। वाशीकर ने जो कृपा राधु पर की वे उसे कभी नहीं भूले और एवज में उन्होंने जरूरत पड़ने पर दूसरों की सहायता की। इसके बाद करीब छरू साल उन्होंने जतीन दास की शागिर्दी की। राधु उस जमाने के व्यक्ति थे, जो एहसान कभी नहीं भूलते हैं और जिसके साथ जुड़ते हैं, उसके प्रति सदैव वफादार बने रहते हैं। उन्हें कई अन्य स्थानों से बेहतर प्रस्ताव मिले मगर वे जतीन दास के प्रति वफादार बने रहे। इसी तरह जब वे राज कपूर से जुड़े तो उनके प्रति भी ईमानदार रहे और राज कपूर के मर्दवादी तथा सामंती रवैये के बावजूद उनसे एक लंबे समय तक जुड़े रहे।

बुंदेलखंड में तालाबों को नया जीवन देने की हो रही कोशिश

लहार ठाकुरपुरा गांव (बबीना ब्लॉक, झांसी) में इसी नाम का विशाल, लगभग 87 एकड़ का तालाब आसपास के ग्रामीण इलाकों के लिए गौरवशाली धरोहर रहा है, पर हाल के वर्षों में जलकुंभी, मिट्टी–गाद आदि के चलते इसकी सुंदरता और उपयोगिता, दोनों कम होती जा रही थी। ऐसे में जब 'परमार्थ' संस्था ने तालाब की स्वच्छता के लिए जनसभा की, अभियान चलाया और प्रशासन से भी संपर्क किया, तो इसे काफी सहयोग मिला। मनरेगा के अंतर्गत अनेक हफ्ते तक तालाब की सफाई का अभियान चलता रहा। जलकुंभी और गाद की सफाई की गई तथा नहर का पानी तालाब में लाया गया। आसपास बाड़ लगाई गई और जमीन को पक्का किया गया।

भारत डोगरा

ग्रामीण क्षेत्रों में तालाब पानी संबंधी विभिन्न जरूरतें पूरी करने के साथ भूजल–स्तर बनाए रखने का मुख्य आधार रहे हैं। विभिन्न कारणों से हाल के समय में उपेक्षा के कारण अनेक तालाब क्षतिग्रस्त हुए हैं। इस कारण बड़े जल–संकट के बीच अब उनकी रक्षा के कुछ महत्वपूर्ण प्रयास होने लगे हैं। विशेषकर बुंदेलखंड में ऐसे प्रयास काफी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वहां जल संतुलन बनाए रखने में तालाबों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। लहार ठाकुरपुरा गांव (बबीना ब्लॉक, झांसी) में इसी नाम का विशाल, लगभग 87 एकड़ का तालाब आसपास के ग्रामीण इलाकों के लिए गौरवशाली धरोहर रहा है, पर हाल के वर्षों में जलकुंभी, मिट्टी–गाद आदि के चलते इसकी सुंदरता और उपयोगिता, दोनों कम होती जा रही थी। ऐसे में जब 'परमार्थ' संस्था ने तालाब की स्वच्छता के लिए जनसभा की, अभियान चलाया और प्रशासन से भी संपर्क किया, तो इसे काफी सहयोग मिला। मनरेगा के अंतर्गत अनेक हफ्ते तक तालाब की सफाई का अभियान चलता रहा। जलकुंभी और गाद की सफाई की गई तथा नहर का पानी तालाब में लाया गया। आसपास बाड़ लगाई गई और जमीन को पक्का किया गया। हालांकि अभी रोशनी की व्यवस्था और मरम्मत का कार्य होना शेष है, फिर भी तालाब बहुत सुंदर बन गया है। इसकी जल–ग्रहण क्षमता बढ़ी है और पानी साफ है। गांववासियों ने बताया कि एक छोटी नहर निकाल कर इससे सिंचाई की व्यवस्था भी की जानी चाहिए। इसके अलावा, चंदेल राजाओं के समय से चले आ रहे एवं 100 एकड़ से बड़े क्षेत्र में फैले मानपुर के तालाब (जो इसी ब्लॉक में स्थित है) में एक छोटी नहर की व्यवस्था पहले से परंपरागत तौर पर रही है, पर इसमें बहुत टूट–फूट हो गई थी।

परमार्थ संस्था ने यहां एक विशेष प्रयास कर इस नहर के किनारों की मरम्मत की एवं तालाब की सफाई भी करवाई। इस कारण गांववासियों को सिंचाई का बेहतर लाभ मिल रहा है। यह कार्य ऐसे समय में गैर–मशीनीकृत उपायों से किया गया, जब यहां लोगों को रोजगार की बहुत जरूरत थी। खजरा खुर्द गांव में पुराना तालाब नाम से विख्यात तालाब की उपयोगिता हाल के समय में सफाई न होने के कारण घट गई थी। परमार्थ संस्था व उससे जुड़ी महिला कार्यकर्ताओं–'जल सहेलियों' ने इसे पुनर्जीवित करने के लिए अभियान चलाया। इसके बाद किनारों की मरम्मत, मिट्टी–गाद हटाने, आसपास वृक्षारोपण आदि के कार्य हुए। तालाब की जल–ग्रहण क्षमता बढ़ने के साथ इससे आसपास के कुंओं का जल–स्तर भी बढ़ा। छतरपुर जिले (मध्य प्रदेश) के अंगरौठा गांव में महिलाओं ने 107 मीटर की नहर खोदने का कार्य बहुत कठिन परिस्थितियों में शुरू किया, ताकि यहां के सूखे पड़े तालाब में पानी पहुंच सके। बाद में उनके इस साहसी कार्य से प्रेरित होकर अन्य लोगों ने भी सहयोग किया। इसी जिले में गंगा नामक महिला ने अपनी सखियों के साथ एक उपेक्षित सूखे तालाब को फिर से पानीदार बनाया। इस तालाब के बारे में अंधविश्वास प्रचलित था कि जो इसका पुनरुद्धार करेगा, उसे हानि होगी, लेकिन गंगा ने लोगों को समझाया कि यह अंधविश्वास है और गांव की प्यास बुझाने का प्रयास इस कारण नहीं रुकना चाहिए। इन महिलाओं ने न केवल तालाब की सफाई की, बल्कि इसमें पानी भी पहुंचाया। देश में बुंदेलखंड जैसे कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहां जल–संतुलन में तालाबों की विशेष भूमिका है और इनके निर्माण व रख–रखाव के लिए परंपरागत तकनीक व सामाजिक तौर–तरीके, दोनों प्रशंसनीय रहे हैं। इनसे आज भी सीखा जा सकता है। चाहे सभी घरों में नल आ जाएं, पर इन तालाबों का महत्व बना रहेगा और इनके संरक्षण पर ध्यान देना जरूरी है। इनमें जमा गाद–मिट्टी हटाकर इसकी जल–ग्रहण क्षमता भी बढ़ाई जा सकती है व किसानों को उपजाऊ गाद–मिट्टी अपने खेतों के लिए मिल जाएगी। अनेक स्थानों पर भूजल स्तर पहले ही बहुत नीचे चला गया है। यदि बोरवेल आदि से नलों के लिए भूजल का उपयोग किया जाएगा, तो ऐसे में जल–संतुलन बनाए रखने के लिए जरूरी है कि तालाबों में पहले से कहीं अधिक जल हो। इसलिए तालाबों की रक्षा एवं वर्षा जल संरक्षण का कार्य अब और महत्वपूर्ण हो गया है।

लहार ठाकुरपुरा गांव (बबीना ब्लॉक, झांसी) में इसी नाम का विशाल, लगभग 87 एकड़ का तालाब आसपास के ग्रामीण इलाकों के लिए गौरवशाली धरोहर रहा है, पर हाल के वर्षों में जलकुंभी, मिट्टी–गाद आदि के चलते इसकी सुंदरता और उपयोगिता, दोनों कम होती जा रही थी। ऐसे में जब 'परमार्थ' संस्था ने तालाब की स्वच्छता के लिए जनसभा की, अभियान चलाया और प्रशासन से भी संपर्क किया, तो इसे काफी सहयोग मिला। मनरेगा के अंतर्गत अनेक हफ्ते तक तालाब की सफाई का अभियान चलता रहा। जलकुंभी और गाद की सफाई की गई तथा नहर का पानी तालाब में लाया गया। आसपास बाड़ लगाई गई और जमीन को पक्का किया गया। हालांकि अभी रोशनी की व्यवस्था और मरम्मत का कार्य होना शेष है, फिर भी तालाब बहुत सुंदर बन गया है। इसकी जल–ग्रहण क्षमता बढ़ी है और पानी साफ है। गांववासियों ने बताया कि एक छोटी नहर निकाल कर इससे सिंचाई की व्यवस्था भी की जानी चाहिए। इसके अलावा, चंदेल राजाओं के समय से चले आ रहे एवं 100 एकड़ से बड़े क्षेत्र में फैले मानपुर के तालाब (जो इसी ब्लॉक में स्थित है) में एक छोटी नहर की व्यवस्था पहले से परंपरागत तौर पर रही है, पर इसमें बहुत टूट–फूट हो गई थी। परमार्थ संस्था ने यहां एक विशेष प्रयास कर इस नहर के किनारों की मरम्मत की एवं तालाब की सफाई भी करवाई। इस कारण गांववासियों को सिंचाई का बेहतर लाभ मिल रहा है। यह कार्य ऐसे समय में गैर–मशीनीकृत उपायों से किया गया, जब यहां लोगों को रोजगार की बहुत जरूरत थी। खजरा खुर्द गांव में पुराना तालाब नाम से विख्यात तालाब की उपयोगिता हाल के समय में सफाई न होने के कारण घट गई थी। परमार्थ संस्था व उससे जुड़ी महिला कार्यकर्ताओं–'जल सहेलियों' ने इसे पुनर्जीवित करने के लिए अभियान चलाया। इसके बाद किनारों की मरम्मत, मिट्टी–गाद हटाने, आसपास वृक्षारोपण आदि के कार्य हुए। तालाब की जल–ग्रहण क्षमता बढ़ने के साथ इससे आसपास के कुंओं का जल–स्तर भी बढ़ा। छतरपुर जिले (मध्य प्रदेश) के अंगरौठा गांव में महिलाओं ने 107 मीटर की नहर खोदने का कार्य बहुत कठिन परिस्थितियों में शुरू किया।

रेस 3.0 प्लास्टिक प्लास्टिक फ्री अयोध्या के तहत कार्यशाला का हुआ आयोजन

सर्किट हाउस में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया शुभारंभ

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग उत्तर प्रदेश अरुण कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में सिंगल यूज प्लास्टिक के एकत्रीकरण, पुनर्चक्रण तथा उसके सम्बन्ध में लगाये गये प्रतिबंध को प्रभावी तरीके से लागू कराये जाने एवं बनाये जाने के उद्देश्य से अयोध्या नगर को प्लास्टिक मुक्त शहर बनाये जाना है।जिसके लिए अयोध्या नगर में बृहद जन–जागरूकता अभियान रेस 3.0 प्लास्टिक फ्री अयोध्या का आयोजन जनपद के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों राम की पैड़ी, गुप्तार घाट, अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन तथा बस स्टॉप आदि स्थलों पर किया गया।जिसमें राज्य मंत्री पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग उत्तर प्रदेश के० पी० मलिक, विधायक रुदौली राम चन्द्र यादव के साथ–साथ मनोज सिंह अपर मुख्य सचिव पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग उत्तर प्रदेश, सुधीर कुमार शर्मा प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष उत्तर प्रदेश, सुनील चौधरी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, कार्य योजना उत्तर प्रदेश लखनऊ, संजय श्रीवास्तव, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, योजना एवं कृषि वानिकी उत्तर प्रदेश लखनऊ, आशीष तिवारी, सचिव पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग उत्तर प्रदेश, रेणु सिंह अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक ६ मुख्य वन संरक्षक, मध्य क्षेत्र उत्तर प्रदेश लखनऊ, मनोज कुमार सोनकर, वन संरक्षक ६ क्षेत्रीय निदेशक, सामाजिक वानिकी, सरयू वृत्त अयोध्या तथा सितांशु पाण्डेय, प्रभागीय वनाधिकारी, वन प्रभाग अयोध्या, सुल्तानपुर व बाराबंकी एवं सरयू वृत्त के समस्त उप प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा प्रतिभाग किया गया।इसके साथ ही साथ महाराजा इण्टर कॉलेज, एम०एल०एम०एल० अयोध्या के लगभग 200 विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।सिंगल यूज प्लास्टिक के एकत्रीकरण, पुनर्चक्रण तथा उसके सम्बन्ध में लगाये गये प्रतिबंध को प्रभावी तरीके से लागू करने हेतु एक कार्यशाला तथा प्रदर्शनी का आयोजन सर्किट हाउस में किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, द्वारा उक्त प्रदर्शनी का उध्द्घाटन एवं अवलोकन किया गया तथा मुख्यमंत्री द्वारा पांच (5) वेण्डिंग मशीन का लोकार्पण किया गया।उक्त मशीन में 10 रु० डालने पर एक कपड़े का थैला निकलता है जिसके माध्यम से आम जनता को प्लास्टिक बैग के स्थान पर कपड़े का बैग उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।वही प्लास्टिक मुक्त अयोध्या हेतु एक जागरूकता रैली का आयोजन भक्ति पथ पर किया गया जिसमें जनता अवध इण्टर कॉलेज अयोध्या तथा महाराजा पब्लिक स्कूल अयोध्या के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के द्वारा भी प्रतिभाग किया गया।इसमें विभाग के द्वारा लगभग 2000 सूती कपड़े के थैले जनमानस में वितरण कर लोगों को यह संदेश दिया गया कि सभी लोग कपड़ों के थैले का प्रयोग करें प्लास्टिक के थैलों का प्रयोग न करें ताकि हमारी अयोध्या प्लास्टिक मुक्त हो सके।

रिजर्व पुलिस लाइंस माघ मेला के मानसरोवर सभागार में जिला अपराध निरोधक समिति की बैठक सम्पन्न

श्रद्धालुओं से शालीनता से पेश आये अधिकारी व कर्मी - डीआईजी माघ मेला

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)। प्रयागराज के संगम तट पर आयोजित होने वाले माघ मेला–2024 को सकुशल व निर्विघ्न सम्पन्न कराये जाने में पुलिस प्रशासन के साथ अन्य सामाजिक संगठनों के साथ आयोजित बैठक में डीआईजी माघ मेला प्रयागराज डॉ राजीव नारायण मिश्र ने कही।इस मौके पर उन्होंने कहा कि 'जिला अपराध निरोधक समिति' के सदस्यों के साथ गोष्ठी आयोजित की गई।जिसमें संस्था द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी माघ मेला 2024 को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये सभी कर्मियों को आपसी सामंजस्य व समन्वय बनाकर साथ कार्य करना होगा।उन्होंने संस्था के सदस्यों द्वारा पूर्व में किये गये सराहनीय कार्यों हेतु आभार व्यक्त करते हुये बताया गया कि हम लोगों का मूल उद्देश्य मुख्यतः तीन बिन्दुओं– सुगम आवागमन, सुरक्षित प्रवास व सुरक्षित स्नान सम्पन्न कराना होता है।अतः इसके लिए संस्था के सदस्यों का पुलिस बल के साथ मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है।इस दौरान 'नोडल पुलिस अधिकारी माघ मेला श्रद्धा नरेंद्र पांडे आईपीएस,अपर पुलिस अधीक्षक माघ मेला प्रमोद कुमार यादव,अपर पुलिस अधीक्षक माघ मेला वंशराज के साथ संस्था के सचिव संतोष श्रीवास्तव, विधिक सलाहकार लक्ष्मीकांत मिश्र, यातायात प्रभारी पी एन मिश्रा, कार्यक्रम प्रभारी शोएब आलम, कैम्प शिविर प्रभारी भावना त्रिपाठी, युवा शिविर प्रभारी प्रियंका व अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रखर वक्ताध्संगठन प्रभारी सतीश चन्द्र मिश्रा द्वारा किया गया।

30 फर्जी अध्यापकों को खोज रही जनपद की पुलिस सभी है फरार

तत्कालीन बेसिक शिक्षा अधिकारी जौनपुर विनोद कुमार राय ने दर्ज कराया था मुकदमा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पुलिस अधीक्षक, आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन, सेक्टर वाराणसी ने अवगत कराया है कि जनपद जौनपुर के थाना लाईनबाजार में 28 मई 2008 को मु०अ०सं०–739६ 2008 धारा–419, 420, 467, 468, 471 भादवि बनाम 30 फर्जी अध्यापक पंजीकृत होकर विवेचना थाना लाईन बाजार द्वारा प्रारम्भ की गयी। वर्ष 2009 में उक्त अभियोग की विवेचना उ०प्र० शासन के आदेशानुसार आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन, सेक्टर वाराणसी को स्थानान्तरित हुई। उक्त अभियोग से सम्बन्धित फर्जी 30 अध्यापको द्वारा जनपद के विभिन्न प्राथमिक विद्यालयों में लगभग 03–04 वर्ष अध्यापन कार्य किया गया। तत्कालीन बेसिक शिक्षा अधिकारी जौनपुर विनोद कुमार राय द्वारा कराये गये जाँच में फर्जी पाये जाने पर उक्त समी आध्यापक, अध्यापन कार्य छोड़कर फरार हो गये। विवेचना के दौरान इन फर्जी अध्यापको का विभिन्न माध्यमों से खोज बीनध्तलाश किये जाने पर भी कोई पता नहीं चल सका है। जिनका नाम, पता व फोटाग्राफ उपलब्ध है, जिसके माध्यम से समाचार पत्रो, दूरदर्शन एवं अन्य इलेक्ट्रानिक प्रचारध्प्रसार के माध्यम से भी पता लगाना आवश्यक हैं। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा एवं उचित धनराशि इनाम स्वरूप दिया जाएगा। प्रकरण उ०प्र० शासन की प्राथमिकता पर है।नोट–सूचना निम्न मोबाइल नम्बरो 7007029232, 9415376341, 9839440101 पर दिया जाय।

फर्जी अध्यापक

सुरेश पुत्र रामबेलास निवासी म0न0 469६3 इन्दिरानगर लखनऊ पदस्थापित प्रा0वि का नाम गौरा व विकास क्षेत्र मडियाहूँ, नरेन्द्र कुमार पुत्र रामअचल निवासी अमिलिहार, तहरार लालपुर, भटपुरवा इलाहाबाद पदस्थापित प्रा0वि का नाम हाजीपुर विकास क्षेत्र शाहगंज, कृष्ण मोहन मिश्रा पुत्र रविन्द्र नाथ निवासी म०नं0–24६7 उ०प्र० पावर कार्पोरेशन रायबरेली पदस्थापित प्रा०वि० का नाम गदैया व विकास क्षेत्र मड़ियाहूँ, अशोक कुमार पुत्र हनुमान प्रसाद निवासी म०नं० 3६49 आवास विकास कालोनी रायबरेली पदस्थापित प्रा०वि० का नाम गोरारी व विकास क्षेत्र शाहगंज, ओम प्रकाश पुत्र पटेश्वरी प्रसाद निवासी ग्राम व पोस्ट इस्फातगंज फैजाबाद पदस्थापित प्रा०वि० का नाम गोरारी व विकास क्षेत्र शाहगंज, हरिश्चन्द्र पुत्र रामरूप पटेल निवासी म०नं0 3६43 सिविल लाईन रायबरेली रायबरेली पदस्थापित प्रा०वि० का नाम परसथ व विकास क्षेत्र मड़ियाहूँ, रामकृष्ण शुक्ल पुत्र अवध नरायण निवासी कन्धिया फतेहपुरध्अमिलिहार तरहार लालपुर भटपुरवा इलाहाबाद, प्रा0वि0 सिंघाई विकास खण्ड शाहगंज, राजेन्द्र प्रसाद पुत्र देवसरन चौधरी निवासी म0नं0 72 आवास विकास कालोनी रायबरेली प्रा0वि0 मेजा विकास खण्ड मड़ियाहूँ, सुशील कुमार पुत्र केदारनाथ निवासी प्रा0वि0 सीरसिरियां प्रा0 पट्टी विकास क्षेत्र रामनगर जौनपुर प्रा0वि0 छुन्छा विकास खण्ड करंजाकला, अरुण कुमार पुत्र नागेश्वर प्रसाद निवासी ग्राम अकीलपुर एराना प्रा0वि0 खजुरा विकास खण्ड शाहगंज, हरिनरायण पुत्र श्री सत्य नरायण निवासी ग्राम कनवलिया, पो0 अम्बारी, आजमगढ प्रा0वि0 मुकुन्दपुर विकासखण्ड मड़ियाहूँ, लाल सिंह राजपूत पुत्र संकठा प्रसाद सिंह निवासी 01६10 इन्दिरा नगर बादा प्रा0वि0 कछरा विकास खण्ड शाहगंज, मनोज कुमार पुत्र हरिशचन्द्र मिश्र निवासी 67 सिविल लाईन एटा प्रा0वि0 भवानीपुर, मड़ियाहूँ, श्रीमती पूनम यादव पत्नी महेन्द्र कुमार यादव निवासिनी आवास विकास कालोनी देवरिया, प्रा0वि0 छबवां विकास खण्ड शाहगंज, रमाशंकर यादव पुत्र रामअचल यादव निवासी मु0 आवास विकास कालोनी नरोत्तमपुर बांदा प्रा0वि0 खुजरा विकास खण्ड शाहगंज, रविन्द्र सिंह यादव पुत्र राजकुमार यादव निवासी ग्रा0 व पोव अहिरौली जनपद आजमगढ प्रा0वि0 बड़ौना विकास खण्ड शाहगंज, श्रीमती संगीता देवी पत्नी शिवपूजन निवासिनी तेतरी बाजार पो0 सिद्धार्थनगर काजीपुर विकास खण्ड मड़ियाहूँ, संजय कुमार पुत्र श्री उदय प्रताप निवासी मा0नं0–05 अम्बेडकरनगर, फतेहपुर प्रा0वि0 बरंगी, विकास खण्ड शाहगंज, सुंधीर कुमार पत्र पारसनाथ मिश्र निवासी गजाधरपुर औड़िहार गाजीपुर प्रा0वि0 साहोपट्टी विकास खण्ड मड़ियाहूँ, दिलीप कुमार पुत्र राम नयन वर्मा निवासी जिला महिला चिकित्सालय एटा प्रा0वि0 नाहरपुर विकास खण्ड सिरकोनी, सुरेश कुमार मौर्य पुत्र श्री राममिलन मौर्य निवासी ग्राम व पोस्ट खैरुद्दीनपुर जौनपुर प्रा0वि0 गयासपुर विकास खण्ड सिरकोनी, नरेन्द्र कुमार पुत्र राम अचल निवासी अमिलिहार तरहार लालपुर भटपूरवा इलाहाबाद प्रा0वि0 हाजीपुर विकास खण्ड शाहगंज, श्रीकुमार वर्मा पुत्र रामतीरथ निवासी ग्राम सुरहुरपुर पोस्ट मालीपुर जिला अम्बेडकरनगर प्रा0वि0 विझवट विकास खण्ड महराजगंज, सुन्दरभान पुत्र सुरेन्द्र नाथ निवासी ग्राम व पोस्ट शाहगंज जिला जौनपुर प्रा0वि0 विकास खण्ड महराजगंज, दयानन्द तिवारी पुत्र श्यामसुन्दर लाल तिवारी निवासी ग्राम आवास विकास कालोनी नरोत्तमपुर बांदा प्रा0वि0 नुरुद्दीनपुर विकास खण्ड खुटहन है।

अयोध्या: हवाई अड्डा के सामने लगेगी महर्षि वाल्मीकि की भव्य मूर्ति, रामायण लिखते हुए होगी प्रतिमा की मुद्रा

लखनऊ (संवाददाता)।अयोध्या में देश के प्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा प्रभु श्रीराम पर आधारित भजन गाया जाएगा। अनूप जलोटा, साधो बैंड, प्रेम प्रकाश दुबे, बतूल बेगम, नितिन दुबे, रिचा शर्मा, तृप्ती शाक्या आदि यहां भजन सुनाएंगे।अयोध्या स्थित महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सामने महर्षि वाल्मीकि की रामायण लिखते हुए मूर्ति लगेगी। भगवान राम सूर्यवंशी थे, इसलिए अयोध्या में भगवान सूर्य की भी मूर्ति लगेगी। दोनों मूर्ति 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा से पहले लगाई जाए, इसके लिए युद्धस्तर पर काम पूरा किया जाए।
यह निर्देश पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दिए हैं। वह अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर चल रही विभागीय तैयारियों की सोमवार को पर्यटन भवन में समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि काशी में जिस भव्यता के साथ मां गंगा की आरती होती है, उसी भव्यता के साथ अयोध्या में सरयू आरती भी होगी।

राम के लिए संघर्ष करने वालों की जगह विरोधियों को आमंत्रण राम भक्तों का अपमान - सुदामा।

अयोध्या। राम नगरी में दिव्य भव्य राम मंदिर हेतु हजारों वर्षों से चली आ रही कानूनी व खूनी संघर्ष के समापन उपरान्त कोटि कोटि राम भक्तों का सपना आज राम मंदिर निर्माण के गतिमान होने से साकार हो रहा है किन्तु जहां मंदिर के उद्घाटन व प्राण–प्रतिष्ठा को लेकर देश के धर्माचार्यों शंकराचार्यों व धर्मग्रंथों के अनुरूप न कर उसका राजनीतीकरण हो रहा है वहीं राम भक्तों का उपहास करने व उनपर गोली चलवाने वाले दलों को बाबरी मस्जिद के पक्षकारों को निमंत्रण देकर राम के लिए अपना सबकुछ न्यौछावर करने वाले भक्तों का अपमान हो रहा है सम्मान तो तब होता जब देश के धर्माचार्य शंकराचार्य वैदिक विधि विधान से पूजन व प्राण प्रतिष्ठा करते माननीय प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री व सम्मानित मंत्रीगण के साथ साथ अन्य दलों के प्रतिनिधि यों के साथ साथ मंदिर निर्माण हेतु कानूनी, जमीनी संघर्ष करने वाले रामभक्तों को भी प्रमुख स्थान दिया जाता।ये बातें राम मंदिर के लिए बाल्यकाल से ही समर्पित बस्ती जनपद के समाजसेवी चन्द्रमणि पाण्डेय सुदामा ने कहा है ज्ञात हो कि 1989में जब जन्मभूमि आन्दोलन हेतु देश के कोने कोने से कारसेवक अयोध्या कूच किये थे तो न केवल उनके माता–पिता व बड़े भाई ने कारसेवक में सहभाग हेतु अयोध्या जाने का काम किया था अपितु मंदिर आन्दोलन से प्रभावित होकर महज 13वर्ष की उम्र में उन्होंने गांव में लोगों के घरों से कारसेवकों हेतु लंच पैकेट इकट्ठा कराने का काम किया था अटल जी की सरकार में शिलादान कार्यक्रम में व मनमोहन सरकार में 84कोसी परिक्रमा व संकल्प सभा के दौरान उनकी गिरफ्तारी भी हुई थी मंदिर हेतु कानूनी व खूनी लड़ाई से हटकर पहली उ उन्होंने वर्ष 2018में मण्डलायुक्त कार्यालय फैजाबाद में आमरण–अनशन किया तो मंदिर निर्माण की उनकी मांग को छोड़ कर शेष मांगों पर अमल कर उनका अनशन समाप्त तो कराया गया किन्तु कुछ ही दिनों बाद अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लेकर अनशन का एक दौर चल पड़ा जिसमें छोटी छावनी के महराज को अनशन के दौरान रात्रि में उठाकर पीजीआई लखनऊ भर्ती करा दिया गया था उस दौरान भी श्री पाण्डेय भगवान राम के प्राकट्य को श्रेय प्राप्त मखभूमि मखौड़ा में अनशनरत थे। किन्तु ऐसे भक्तों को भी मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में आमन्त्रित न किये जाने से राम भक्तों में वेदना है उनकी ये वेदना तब और बढ़ जाती है जब उन्हें यह सूचना मिलती है कि मंदिर निर्माण का विरोध करने वाले विधर्मियों को आमन्त्रित किया जा रहा है किन्तु सच्चे राम भक्तों को नहीं।

हिन्दू महासभा ने हिन्दू राष्ट्र निर्माण संकल्प के साथ हनुमान गढ़ी में छतरी समर्पित की

अयोध्या। अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र कुमार द्विवेदी और पांडुचेरी राज्य अध्यक्ष राजा दंडापाणि के नेतृत्व में बिड़ला धर्मशाला से हनुमान गढ़ी तक छतरी यात्रा निकाली गई । हनुमान गढ़ी में भगवान हनुमान को हिन्दू राष्ट्र निर्माण संकल्प के साथ हनुमान गढ़ी के गद्दी नशीं महंत प्रेमदास जी को समर्पित की गई । यह जानकारी हिन्दू महासभा के प्रदेश मंत्री अधिवक्ता राकेश दत्त मिश्र ने आज जारी बयान मे दी।हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता बी एन तिवारी ने बताया कि छतरी यात्रा आरंभ होने से पूर्व बिड़ला धर्मशाला के सभागार में सभा का आयोजन किया गया । सभा में भारी संख्या में हिन्दू महासभा कार्यकर्ता और साधु संत सम्मिलित हुए ।हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र कुमार द्विवेदी , राष्ट्रीय प्रवक्ता स्वामी करपात्री जी महाराज , मदन लाल गुप्ता , धनंजय पांडे , राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी प्रवीण सिंह चंदेल , पांडुचेरी अध्यक्ष राजा दंडापाणि, दिल्ली अध्यक्ष सत्येंद्र झा , प्रदेश महामंत्री संजय सिंह भदौरिया , केरल अध्यक्ष राजेश के , उत्तर प्रदेश मंत्री राकेश दत्त मिश्र , अयोध्या जिला अध्यक्ष राम धन निषाद , हिन्दू संत सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष महामंडलेश्वर अर्चना गिरी , हिन्दू किन्नर सभा की राष्ट्रीय संगठन मंत्री काजल किन्नर , राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महामंडलेश्वर कनकेश्वरी जी सहित अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया।वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि हिन्दू महासभा ने 70 वर्ष तक न्यायालय में वाद लड़ा , जिसके परिणाम स्वरूप श्री राम जन्म भूमि पर भव्य मंदिर निर्माण का स्वप्न साकार हो रहा है । हिन्दू महासभा श्री कृष्ण जन्मभूमि को ईदगाह मस्जिद और काशी विश्वनाथ मंदिर को ज्ञानवापी मस्जिद के कलंक से मुक्त करवाने हेतु न्यायालय में वाद लड़ रही है। हिन्दू महासभा न्यायिक वाद के माध्यम से दोनो स्थान पर भव्य मंदिर का निर्माण करवाएगी।वक्ताओं ने कहा कि हिन्दू महासभा भारत की हिन्दू राष्ट्र घोषित करवाने और श्रीराम चरित मानस को राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित करवाने के लिए अभियान चला रही है । भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करवाना हिन्दू महासभा की प्राथमिकता है।

अयोध्या की जल पुलिस ने बचाई डूबते हुए व्यक्ति की जान, लोगों नें की सराहना

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) अयोध्या की जल पुलिस ने संदीप पुत्र नन्द लाल निवासी वीरसिंहपुर लखीमपुर खीरी को बचाकर सराहनीय कार्य किया।जो पुराने सरयू पुल से पारिवारिक कलह के कारण बीचोंबीच नदी मे कूद गए। बताते चलें कि उक्त युवक को डूबता देखकर वहां डयूटी पर मौजूद प्रभारी जल पुलिस चौकी रूबे प्रताप मौर्य आरक्षी नित्यानन्द यादव आरक्षी अवनीश मिश्र आरक्षी शिव कुमार आरक्षी अजय कुमार आरक्षी दुर्गा प्रसाद ने त्वरित रेस्क्यू करके बडी मशक्कत के बाद संदीप को पकड़ कर सकुशल बाहर निकालकर एम्बुलेंस बुलाकर हास्पिटल भेजा।जल पुलिस के इस सराहनीय कार्य की वहां मौजूद लोगों द्वारा भूरि–भूरि प्रशंसा की गयी ।

फैजाबाद कचहरी के लिए आज फिर शोक का दिन, नही रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राजेंद्र मिश्र

अयोध्या।मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की धरती जैसे शब्दों से अपने भाषण की शुरुवात करने वाले तथा पूरे उत्तर प्रदेश में हर जगह कई बार और फैजाबाद में केवल एक बार का उदाहरण देकर एकता का संदेश देने वाले ओजस्वी वक्ता वरिष्ठ अधिवक्ता राजेंद्र मिश्रा जी का निधन मंगलवार को लखनऊ के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में इलाज के दौरान मंगलवार को हो गया।अध्यक्ष पारस नाथ पाण्डेय मंत्री विपिन कुमार मिश्रा कोषाध्यक्ष मुन्ना सिंह सहित पूरी कमेटी तथा वरिष्ठ अधिवक्ता अवधेश यादव गिरीश चंद्र तिवारी कमलेश कुमार पाण्डेय विवेक सिंह समर बहादुर सिंह ने उनके निधन को संघ की अपूर्णनीय क्षति बताया।

थानाध्यक्ष ने ग्राम प्रहरियों को नई साइकिलें उपलब्ध करायी

अयोध्या। थानाध्यक्ष मवई आशा शुक्ला ने सोमवार को थाना परिसर में ग्राम प्रहरियों को थाना आवागमन व क्षेत्र भ्रमण के लिये साइकिलें उपलब्ध कराई।नई सायकिल पाकर ग्राम प्रहरी काफी खुश नजर आ रहे थे।थानाध्यक्ष ने कहा कि ग्राम प्रहरी चौकीदार पुलिस विभाग की आंख और कान है उनके द्वारा दी गयी सूचना पुलिस विभाग काफी गम्भीरता से लेता है।उन्होंने सभी चौकीदारों से कहा कि गांवों में असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखें और गांवों में होने वाले विवाद को समय से पुलिस विभाग को सूचना दें ताकि पुलिस समय रहते कार्रवाई कर सके।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का उद्घाटन समारोह, इस सदी का सबसे बड़ा ऐतिहासिक शुभ अवसर है - जगद्गुरु शंकराचार्य

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का उद्घाटन समारोह, इस सदी का सबसे बड़ा ऐतिहासिक शुभ अवसर है। इस पावन समारोह के अवसर पर रामानंद संप्रदाय के मूल पीठ श्रीमठ पंचगंगा घाट काशी एवं चारों जगद्गुरु शंकराचार्यों की अनु–परिस्थिति शास्त्रोक्त व लौकिक दृष्टि से उचित नहीं। जब कोई आचार्य पीठ पूज्य–जन किसी वेदोक्त शास्त्रोक्त नियमानुकूल अप्रसन्न होकर आपके अनुष्ठान का निषेध करें तब यजमान का कर्तव्य है की वह कैसे भी अनुनय सविनय कर अपने पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य जनों को संतुष्ट करे, तभी राम मंदिर राष्ट्रीय मंदिर होकर देश और विश्व में अलख जगाएगा शुभ फल प्राप्त होगा।इसलिए श्रीराम मंदिर उद्घाटन के प्रधान–यजमान माननीय प्रधानमंत्री स्वयं चारों पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्यों से प्रार्थना–पूर्वक संवाद करके आमंत्रित करें और समारोह स्थल पर उनके लिए विशेष प्रोटोकॉल का प्रबंध करें। इससे देश में बहुत अच्छा संदेश जायेगा। यह धार्मिक रूप से भी उचित होगा ओर राजनीतिक रूप से भी। सनातन के सर्वोच्च धर्माचार्यों का सम्मान हम सबका कर्तव्य है। वैसे भी केवल श्रीराम मंदिर ही नहीं काशी–मथुरा में भी कुछ अच्छा करना है तो सबको अपना अहंकार संतुलित रखना होगा। शंकराचार्यों का सम्मान कर मोदी जी छोटे नहीं हो जायेंगे प्रत्युत उनका यश और कीर्ति भी अभिवर्धित होगा। यही धर्मानुशासन है।

प्रयागराज हाइवे पर हादसे का शिकार हुई कार व ट्रैक्टर,कार सवार गोंडा निवासी दो गंभीर घायल,जिला अस्पताल में भर्ती

अयोध्या। नगर कोतवाली क्षेत्र में प्रयागराज हाइवे पर एक कार और ट्रैक्टर हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना में कार सवार दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिनको जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।बताया गया कि कार सवार फैजाबाद से सुल्तानपुर की ओर जा रहे थे कि किसी वाहन से डा. राम मनोहर लोहिया अवध विश्विद्यालय के सामने जोरदार भिंड़त हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि सोमवार की रात लगभग 11. 55 बजे हुए इस हादसे में टक्कर के बाद कार का मुंह विपरीत दिशा में हो गया।चीख–पुकार के बाद लोग दौड़े तो देखा कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त है और उसमें सवार दोनों लोग गंभीर रूप से घायल है। वहीं हाइवे पर एक ट्रैक्टर भी हादसे का शिकार हुआ है और सड़क किनारे पेड़ में भिड़ा मिला है। हलांकि उसके चालक का पता नहीं चल पाया है। जिला अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मध्य रात्रि के बाद नगर कोतवाली के नाका क्षेत्र निवासी शुभम श्रीवास्तव ने पड़ोसी जनपद गोंडा के नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित

पूर्व सांसद धनंजय, ललई,प्रिंसू अपना दल के पूर्व सांसद हरिवंश सिंह व रमेश सिंह व अन्य दोषमुक्त

1- खुटहन उपद्रव में दोनों पक्ष के सभी गवाह पक्षद्रोही हुए थे

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । अपर सत्र न्यायाधीश एमपी एमएलए कोर्ट शरद कुमार त्रिपाठी ने खुटहन ब्लाक पर 6 नवंबर 2017 को हुए दो पक्षों के नेताओं व तथा उनके समर्थकों में हुए उपद्रव,फायरिंग, आगजनी को लेकर किए गए मुकदमों में एक पक्ष से पूर्व मंत्री ललई यादव, पूर्व सांसद धनंजय सिंह के अलावा बृजेश सिंह प्रिंसू व अन्य आरोपि तथा दूसरे पक्ष से पूर्व अपना दल के सांसद हरिवंश सिंह व उनके विधायक पुत्र रमेश सिंह व अन्य आरोपित दोष मुक्त हो गए। दोनों पक्षों के सभी गवाह कोर्ट में पक्षद्रोही घोषित किए गए।वादी व प्राथमिकी मे नामित गवाह घटना से मुकर गए जिस पर कोर्ट ने सभी आरोपियो को दोष मुक्त कर दिया।

अपना दल के पूर्व सांसद हरिवंश सिंह ने कोर्ट के समक्ष बयान दिया था कि पूर्व मंत्री ललई, पूर्व सांसद धनंजय सिंह, बृजेश सिंह प्रिंसू व अन्य ने अविश्वास प्रस्ताव के दौरान न तो उपद्रव हुआ था और न ही जानलेवा हमला किया गया था और न ही लूटपाट की घटना हुई थी।भीड़ में शामिल किसके द्वारा द्वारा ईट पत्थर चलाया गया दिखाई नहीं दिया।किसी अज्ञात ने एक टाइपशुदा प्रार्थना पत्र मुझे दिया। मैंने अपना हस्ताक्षर बनाकर थाने पर दिया। उधर दूसरे पक्ष से वादी राजीव यादव निवासी पिलकिछा ने भी थाने पर दर्ज कराई गई प्राथमिकी के कथनों से पूर्ण रूप से मुकर गए। कहा कि पूर्व सांसद हरिवंश सिंह, रमेश सिंह व पांच अन्य ने न तो किसी के उपर जानलेवा हमला किया न गाली व धमकी दी।अन्य गवाह भी घटना से मुकर गए। प्रतापगढ़ के पूर्व सांसद कुंवर हरिवंश सिंह ने पूर्व विधायक शैलेंद्र यादव ललई, धनंजय सिंह, बृजेश सिंह प्रिंसू समेत 35 के खिलाफ थाने पर प्राथमिकी दर्ज कराया था। प्राथमिकी में कहा गया था कि खुटहन ब्लाक प्रमुख सरजू देवी यादव के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर प्रशासन द्वारा 6 नवंबर 2017 को 11 बजे खुटहन ब्लाक के अंदर परिसर में प्रस्ताव पर बातचीत होनी थी। वादी अपनी बहू नीलम के साथ वहां जा रहा था। खुटहन ब्लाक के समीप जौकाबाद गांव में 11 बजे पहुंचा तभी सभी आरोपित करीब 400 से 500 लोगों के साथ वादी की गाड़ी के सामने आ गए। पूर्व मंत्री ललई यादव के ललकारने पर धनंजय सिंह, प्रिंसू सिंह व अन्य लोग आ गए जान से मारने की नियत से फायरिंग करने लगे।

भारत सरकार के सूचना प्रसारण सचिव का अयोध्या भ्रमण

दूरदर्शन द्वारा 22 जनवरी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया जायेगा - सूचना प्रसारण सचिव

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) भारत सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय एवं केन्द्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चन्द्रा द्वारा आज अयोध्या का श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी के आलोक में दूरदर्शन, आकाशवाणी आदि के प्रचार प्रसार के स्थलों के चिन्हांकन हेतु श्रीराम जन्मभूमि परिसर के नियंत्रण कक्ष में मण्डलायुक्त गौरव दयाल एवं अन्य वरिष्ठ सुरक्षा के अधिकारियों के साथ आवश्यक बैठक की गयी।, जिसमें प्रसार भारती सहित आकाशवाणी आदि केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के प्रतिनिधि, नगर निगम के अपर आयुक्त शशिभूषण राय सहित अपर महानिदेशक विजय कुमार, गार्गी मलिक निदेशक समाचार, आत्मप्रकाश मिश्र सहायक निदेशक कार्यक्रम, उपनिदेशक सूचना डा0 मुरलीधर सिंह सहित एक दर्जन से ज्यादा वरिष्ठ अधिकारी, मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारी, स्थानीय संजयधर द्विवेदी आदि उपस्थित थे। इस बैठक में मण्डलायुक्त ने उपनिदेशक सूचना को केन्द्रीय सरकार के तथा स्थानीय प्रतिनिधि संजयधर द्विवेदी एवं अनिल सिंह को निर्देश दिया कि आप लोग प्रस्तावित मीडिया सेन्टर एवं कार्यक्रम स्थल को पूरी टीम को भ्रमण करायें। इसके क्रम में केन्द्रीय सचिव द्वारा मंदिर परिसर का भ्रमण करके कैमरे आदि के स्थापना के सम्बंध में जानकारी ली गयी तथा केन्द्रीय सचिव द्वारा अपने भ्रमण के अगले चरण में अयोध्या में नवनिर्मित अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया सेन्टर एवं प्रेसक्लब का भी भ्रमण किया गया तथा यहां भी मीडिया सेन्टर बनाया जायेगा। इसी के क्रम में उपनिदेशक ने बताया कि इस मीडिया सेन्टर को दिनांक 16 जनवरी 2024 को वरिष्ठ अधिकारियों एवं जिलाधिकारी सहित पत्रकारों की उपस्थिति में शुरू किया जायेगा और सचिव द्वारा अगले चरण में राम की पैड़ी एवं अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय का भी भ्रमण किया तथा यहां पर भी मीडिया को पूरी व्यवस्था करने हेतु निर्देश दिया। मौके पर मा0 आयुक्त महोदय के निर्देशानुसार निदेशक सूचना उ0प्र0 से वार्ता किया गया जिस पर यह निर्णय लिया गया है कि विगत भूमिपूजन कार्यक्रम 5 अगस्त 2020 एवं दीपोत्सव की तरह मीडिया सेन्टर बनाया जायेगा तथा इसकी शुरूआत भी दिनांक 16 जनवरी से की जायेगी। इसमें बाहर से मीडिया आने वाले तथा स्थानीय मीडिया आदि के मानकों एवं केन्द्र एवं राज्य सरकार के निर्देशानुसार वही से पास आदि जारी किये जायेंगे तथा बाहर से आने वाले सभी पत्रकारों की सूची उत्तर प्रदेश सूचना निदेशालय मीडिया सेन्टर लोकभवन में तैयार की जायेगी तथा वहां से मा0 निदेशकध्अपर सूचना निदेशक से अनुमोदन के बाद उनका पास लखनऊ में दिनांक 20 जनवरी 2024 तक उपलब्ध कराया जायेगा, जिससे कि आने जाने में कोई दिक्कत न हों तथा रामजन्मभूमि परिसर का सजीव प्रसारण दूरदर्शन की टीम द्वारा जिसमें दूरदर्शन की टीम द्वारा किया जायेगा। इसमें यह भी हुआ कि इसकी बैठक जब एसपीजी के साथ होगी इसके निर्णय की जानकारी मीडिया को दी जायेगी। इसी क्रम में सचिव ने कहा कि केन्द्रीय और राज्य सरकार के मीडिया के अधिकारी बेहतर समन्वय से कार्य करें। यह राष्ट्रीय महत्व का कार्यक्रम है इसमें मीडिया के इकाईयों तथा दूरदर्शन आकाशवाणी और सूचना विभाग के साथ बेहतर समन्वय की आवश्यकता है। इसके सम्बंध में 1–2 दिन में दिशा निर्देश जारी कर दिये जायेंगे इसलिए मीडिया बन्धुओं से अनुरोध है कि श्रीराम जन्मभूमि परिसर को छोड़कर सभी जगह कवरेज हो रहे है कोई भी मीडिया सहयोगी कवरेज कर सकता है तथा कोई रोक नही है लेकिन मौके पर तैनात पुलिस अधिकारियों आदि से समन्वय बनाकर कवरेज करें तथा स्थानीय मीडिया के प्रतिनिधि अपने अपने स्टेट हेड से अपनी सूची सूचना निदेशालय में जमा करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें, जिससे कि समय से कार्यवाहियां किया जा सके तथा उपनिदेशक सूचना ने विगत कार्यक्रमों की तरह सहयोग की सभी मीडिया सहयोगियों से अपील की है।

छात्र/छात्राओं को कॅरियर में सफल होने के लिये दिए जरूरी टिप्स

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' पाली नगर स्थित सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज के पूर्व छात्र डॉ हिमांशु मिश्रा ने बुधवार को प्रार्थना सभा स्थल पर उपस्थित होकर छात्रध छात्राओं को संबोधित कर कॅरिअर में सफल होने के लिये कुछ जरूरी टिप्स दिए। सर्वप्रथम बच्चों ने तालियों से डॉ साहब का स्वागतध सम्मान किया तत्पश्चात कालेज के प्रधानाचार्य ने डॉ हिमांशु मिश्रा का धन्यवाद ज्ञापित कर उनका स्वागत किया। साथ ही प्रधानाचार्य ने डॉ साहब का संक्षेप में परिचय देते हुए बच्चों को उनसे प्रेरणा लेकर जीवन पथ पर अग्रसर होकर सफलता हासिल करने को कहा। आपको बता दें कि पाली कस्बे के निवासी डॉ हिमांशु मिश्रा पुत्र उत्तम कुमार मिश्रा ने कक्षा 10 व कक्षा 12 की परीक्षा सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज से अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की थी। इसके बाद इन्होंने अपनी लगन और मेहनत से आईआईटी की परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय, क्षेत्र और अपने माता–पिता का नाम रोशन किया। डॉ हिमांशु मिश्रा वर्तमान में भारतीय प्रोधोगिकी संस्थान ,मंडी (हिमांचल प्रदेश) के स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग और इंजीनियरिंग कॉलेज में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। इस अवसर पर डॉ हिमांशु मिश्रा ने छात्रध्छात्राओं को 10वीं व 12 वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद विभिन्न क्षेत्रों में कॅरिअर के तमाम विकल्प बताये उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। उन्होंने बच्चों को सफलता के कई टिप्स देते हुए बताया कि कड़ी मेहनत व लगन से मनचाहा लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

सहकारिता विभाग की बैठक सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रट सभागार में सहकारिता विभाग की बैठक सम्पन्न हुई।

जनपद की कुल 204 समितियों में से पैक्स कम्प्यूटराईजेशन हेतु प्रथम चरण में 30 बी–पैक्स, द्वितीय चरण हेतु 11 बी–पैक्स का चयन किया जा चुका है, पुनः दिनांक–20.11.2023 को आहुत डी0एल0आई0एम0सी0 की बैठक में 15 अतिरिक्त समितियों का चयन किया जा चुका है। कार्यालय सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता जौनपुर से प्राप्त शेष 148 समितियों की सूची में से चयन हेतु डी0एल0आई0एम0सी0 की बैठक में प्रस्तुत किया गया जिसपर अध्यक्ष डी0एल0आई0एम0सी0धजिलाधिकारी महोदय जौनपुर द्वारा जानकारी ली गयी कि पूर्व में चयनित प्रथम चरण की 30 समितियों में पैक्स

कम्प्यूटराईजेशन की क्या प्रगति है जिस पर सचिवध्मुख्य कार्यपालक अधिकारीध्सं याे जकध डी0एल0आई0एम0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि प्रथम चरण हेतु चयनित 30 समितियों का सर्व प्रथम सदस्यों का डाटा एवं समिति का सदस्यों पर लगा बकाया आदि की फीडिंग कराकर टी–8 सर्टिफिकेट पुनः 31.03.2023 के संतुलन पत्र का डाटा फीड कराकर टी–12 सर्टिफिकेट डाटा सर्पोट टीम को पूर्व में प्रेषित किया जा चुका है तत्पश्चात दिनांक–01.04.2023 से अद्यतन समिति द्वारा किये गये समस्त प्रकार के लेन–देन की सूचना बैंक मुख्यालय पर नेक्टर कम्पनी के एस0आई0 एवं डी0ई0ओ0 द्वारा प्रतिदिन समितिवार तिथि निर्धारित कर फीड किया जा रहा है। अद्यतन फीडिंग दिनांक–15.01.2024 तक कराकर प्रत्येक दशा में गो–लाइव कराये जाने का शीर्ष बैंक द्वारा गया है, जिसका अनुपालन कराये जाने के उपरान्त समिति सचिव द्वारा गो–लाइव के पश्चात् दैनिक बाउचरों की पोस्टिंग स्वंय किया जाना हैं जिसके लिये उन्हें ट्रेनिंग आदि दिया जा रहा है।

उपरोक्त स्थिती से अवगत होने के उपरान्त अध्यक्ष डी0एल0आई0एम0सी0धजिलाधिकारी महोदय जौनपुर द्वारा निर्देशित किया गया कि प्रथम चरण में चयनित 30 समितियों की नेटवर्क कनेक्टिविटी की स्पीड आदि की जांच डी0आई0ओ0 एन0आई0सी0 द्वारा कराकर अवगत कराया जाय तथा डाटा फीडिंग की वर्तमान प्रगति विवरण का सत्यापन अपने विभागीय अधिकारियों से सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता द्वारा अतिशीघ्र कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत किया जाय। तृतीय चरण हेतु चयनित 21 समितियों का बैठक में अनुमोदन करते हुये अग्रिम कार्यवाही किये जाने का निर्देश दिया गया है। बैठक में संबंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्राण प्रतिष्ठा के दिन नहीं खुलेंगे स्कूल-कॉलेज, बंद रहेंगी शराब की दुकानें सीएम योगी आदित्यनाथ

प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी को लेकर सीएम ने अधिकारियों को दिये निर्देश

अयोध्या। (राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्याधाम में बहुप्रतीक्षित श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण–प्रतिष्ठा समारोह से आम जनमानस के भावनात्मक जुड़ाव को देखते हुए 22 जनवरी को प्रदेश में शिक्षण संस्थाओं में अवकाश घोषित करने के निर्देश दिए हैं। इस विशिष्ट अवसर को राष्ट्रीय उत्सवश की संज्ञा देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा है कि 22 जनवरी को प्रदेश में मदिरा आदि की दुकानें बंद रखी जाएं।अयोध्या दौरे पर आए मुख्यमंत्री ने श्रीरामलला और हनुमान गढ़ी के दर्शन–पूजन के उपरांत श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। मकर संक्रांति के बाद प्रारंभ हो रहे प्राण प्रतिष्ठा के वैदिक अनुष्ठानों की जानकारी लेते हुए मुख्यमंत्री ने समारोह की सुरक्षा व अन्य व्यवस्थाओं में तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सभी आवश्यक सहयोग के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके बाद, आयुक्त सभागार में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों से तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्राण–प्रतिष्ठा समारोह में आ रहे गणमान्य जनों को अयोध्या में बेहतर आतिथ्य प्राप्त होना चाहिए। हर एक वीवीआईपी के विश्राम स्थल का चयन पूर्व में ही कर लिया जाए। मौसम के दृष्टिगत संभव है कि कुछ अतिथि एक–दो दिन पहले ही आ जाएं, ऐसे में उनके रुकने की बेहतर व्यवस्था हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में होटल और धर्मशालाएं हैं। होम स्टे की व्यवस्था भी है। टेंट सिटी की संख्या और बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। कुंभ की तर्ज पर अयोध्या में 25–50 एकड़ में एक भव्य टेंट सिटी तैयार कराएं।मुख्यमंत्री ने कहा कि 22 जनवरी के उपरांत

अयोध्या में दुनिया भर से रामभक्तों का आगमन होगा। उनकी सुविधा के लिए पूरे नगर में विभिन्न भाषाओं में साइनेज लगाए जाएं। संविधान की 08वीं अनुसूची में सम्मिलित भाषाओं और संयुक्त राष्ट्र की 06 भाषाओं में साईनेज हों।मुख्यमंत्री ने कहा कि आतिथ्य–सत्कार में स्वच्छता एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। इसमें जनसहयोग लें। धर्म पथ, जन्मभूमि पथ, भक्ति पथ, राम पथ जैसे प्रमुख मार्गों अथवा गलियों में धूल न उड़े, गंदगी न हो। जगह–जगह कूड़ेदान रखे हों। वेस्ट मैनेजमेंट की व्यवस्था हो। अभी 3800 से अधिक स्वच्छताकर्मी तैनात हैं, 1500 कर्मचारियों की संख्या और बढाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या प्रतिबंधित पॉलीथिन मुक्त नगर हो, इसके लिए हम सभी को प्रयास करना होगा। 14 जनवरी से नगर में स्वच्छता विषयक विशेष अभियान चलाएं। नगर में कहीं भी गंदगी नहीं दिखनी चाहिए। सीएम ने कहा कि प्राण–प्रतिष्ठा का यह ऐतिहासिक कार्यक्रम करोड़ों सभी सनातन आस्थावानों के लिए हर्ष–उल्लास, गौरव और आत्मसंतोष का अवसर है। पूरा देश राममय है। 22 जनवरी को सायंकाल हर देव मंदिर में दीपोत्सव मनाया जाएगा। हर सनातन आस्थावान अपने घरोंध प्रतिष्ठानों में रामज्योति प्रज्ज्वलित कर रामलला का स्वागत करेगा। सभी सरकारी भवनों की साज–सज्जा कराई जाए। सायंकाल आतिशबाजी के भी प्रबंध हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि धर्म पथ, जन्मभूमि पथ, भक्ति पथ, राम पथ की थीम आधारित सजावट कराएं। यह उत्सव, आनंद का ऐतिहासिक अवसर है। ऐसे प्रयास करें कि हर आगंतुकध्श्रद्धालुध्पर्यटक यहां से सुखद अनुभव लेकर जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी टेंट सिटी में 10–10 बेडेड का स्वास्थ्य केंद्र तैयार कराएं। इसमें सामाजिक, सांस्कृतिक संगठन भी सहयोग के लिए उत्सुक हैं। यहां एम्बुलेंस की तैनाती हो। विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों को अयोध्या ने तैनात करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टेंट सिटी की व्यवस्थाओं का आज मैने अवलोकन किया है। यहां अच्छी व्यवस्था है। साफ सफाई का ध्यान रखें। यहां ठहरने वालों को गर्म पानी मिले। टेंट सिटी में खाद्यान्न की उपलब्धता बनी रहे, इसके लिए खाद्य एवं रसद विभाग तथा मंडी परिषद द्वारा आवश्यक व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि रैन बसेरे को और व्यवस्थित करें। कई स्थानों पर इनकी संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है। धर्मनगरी में रात्रि विश्राम करने वाला एक भी व्यक्ति ठंड से ठिठुरता न मिले। राहत आयुक्त के स्तर से इसके लिए आवश्यक प्रबंध किए जाए। उन्होंने कहा कि प्राण–प्रतिष्ठा समारोह में बड़ी संख्या में लोगों का आगमन हो रहा है। ऐसे में लखनऊ, प्रयागराज और गोरखपुर से अयोध्या मार्ग को ग्रीन कॉरिडोर के रूप में तैयार रखा जाए। वाहन चलते रहें, खड़े न रहें। इन मार्गों को रामायण/रामचरितमानस के श्लोकोंध चौपाइयों/दोहों से आकर्षक बनाएं। विभिन्न भाषाओं में साइनेज भी लगाए जाएं।22 जनवरी के समारोह के लिए पार्किंग और यातायात प्रबंधन की बेहतर कार्ययोजना बनाएं। अयोध्या को जोड़ने वाले प्रमुख मार्गो पर पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था हो। आगंतुकों के आवागमन के लिए इलेक्ट्रिक बसों की पर्याप्त उपलब्धता हो। इनकी पार्किंग के इंतजाम कर लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या का डिजिटल टूरिस्ट एप विकसित इसी सप्ताह तैयार कराया लें। इसमें अयोध्या में मौजूद सभी आधारभूत सुविधाओं एवं प्रमुख स्थलों की जानकारी वॉक थ्रू के माध्यम से उपलब्ध हो।मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या नगर में प्राण–प्रतिष्ठा समारोह का लाइव प्रसारण हो। इसके लिए मोबाइल वैन,एलईडी स्क्रीन आदि की व्यवस्था हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्याधाम में बड़ी संख्या में बाहरी लोग भी निवास कर रहे हैं।ऐसे लोगों का सत्यापन करते हुए नगर की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। आवश्यकतानुसार पुलिस पिकेट बढाएं।मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में पूरी दुनिया से लोग आने वाले हैं। यहां तैनाती पाने वाले पुलिसकर्मियों का व्यवहार प्रदेश की छवि प्रभावित करने वाला होगा। ऐसे में उनकी काउंसिलिंग की जाए। केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों से सतत संपर्क बनाए रखें। अयोध्याधाम आने वाले श्रद्धालुओंध पर्यटकों को नव्य, दिव्य, भव्य अयोध्या की महिमा से परिचय कराने प्रशिक्षित टूरिस्ट गाइड तैनात करें। इसमें स्थानीयता को वरीयता दें।

भीषण शीत से बचाव हेतु इण्डियन रेडक्रास सोसाइटी द्वारा कम्बल टीशर्ट व स्वच्छता किट वितरित किये गये

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, लखनऊ शाखा के द्वारा यहियागंज बाजार में गरीबों एवं बेसहरा सर पर माल ढोने झल्ली वालों को भीषण ठंड से बचाव हेतु कम्बल एवं टी–शर्ट वितरित किये गए तथा उनके स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता किट दी गयी

स्वच्छता किट में टूथपेस्ट, टूथ ब्रश, तेल, साबुन, शेविंग किट तथा महिलाओं के लिए सैनिटरी नैपकिन आदि सम्मिलित है।

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी शाखा लखनऊ के सचिव अमरनाथ मिश्र ने बताया कि विभिन्न जिलों से काम करने के लिए यहियागंज क्षेत्र में पल्लेदार सर पर माल ढोने के आते जिनके पास कोई छत नहीं होती है उन गरीबों को ठंड के बचाव हेतु आज यहियागंज बाजार में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के द्वारा 200 कंबल एवं 24 पीस टी शर्ट 100 स्वच्छता किट दी गई।

कम्बल वितरण में

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव अमरनाथ मिश्र, कोषाध्यक्ष नवीन गुप्ता, ऋतुराज रस्तोगी, कुश मिश्र मनीष शुक्ल कार्यालय के हर्षित शुक्ला सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

चंपत राय ने जारी किया वीडियो, बताया आयोजन में होंगे कितने मेहमान, जो नहीं आ पाएं वो क्या करें

अयोध्या (संवाददाता)।चंपत राय ने एक वीडियो जारी करके राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। महासचिव चंपत राय ने एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा का दिन, समय के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि 22 जनवरी को जो मेहमान आने हैं वह तय हो गए हैं। सभी लोग उस दिन नहीं आ सकते इसलिए वह अपनी निकटवर्ती राम मंदिर जाकर प्रभु के दर्शन करें। साथ ही घर पर पांच दिए जलाएं।

छात्र/छात्राओं को कॅरियर में सफल होने के लिये दिए जरूरी टिप्स

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' पाली नगर स्थित सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज के पूर्व छात्र डॉ हिमांशु मिश्रा ने बुधवार को प्रार्थना सभा स्थल पर उपस्थित होकर छात्रध्छात्राओं को संबोधित कर कॅरिअर में सफल होने के लिये कुछ जरूरी टिप्स दिए। सर्वप्रथम बच्चों ने तालियों से डॉ साहब का स्वागतध्सम्मान किया तत्पश्चात कालेज के प्रधानाचार्य ने डॉ हिमांशु मिश्रा का धन्यवाद ज्ञापित कर उनका स्वागत किया। साथ ही प्रधानाचार्य ने डॉ साहब का संक्षेप में परिचय देते हुए बच्चों को उनसे प्रेरणा लेकर जीवन पथ पर अग्रसर होकर

सफलता हासिल करने को कहा। आपको बता दें कि पाली कस्बे के निवासी डॉ हिमांशु मिश्रा पुत्र उत्तम कुमार मिश्रा ने कक्षा 10 व कक्षा 12 की परीक्षा सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज से अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की थी। इसके बाद इन्होंने अपनी लगन और मेहनत से आईआईटी की परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय, क्षेत्र और अपने माता– पिता का नाम रोशन किया। डॉ हिमांशु मिश्रा वर्तमान में भारतीय प्रोधोगिकी संस्थान ,मंडी (हिमांचल प्रदेश) के स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग और इंजीनियरिंग कॉलेज में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। इस अवसर पर डॉ हिमांशु मिश्रा ने छात्रध्छात्राओं को 10वीं व 12 वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद विभिन्न क्षेत्रों में कॅरिअर के तमाम विकल्प बताये उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। उन्होंने बच्चों को सफलता के कई टिप्स देते हुए बताया कि कड़ी मेहनत व लगन से मनचाहा लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

11 जनवरी को प्राचीन हनुमान सेतु मंदिर परिसर में होगा महाशंखनाद उद्घोष

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ। अयोध्या के जन्मभूमि मंदिर में 22 जनवरी को प्रभु श्रीराम की दिव्य प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के परिपेक्ष्य में 11 जनवरी को गोमती तट पर प्राचीन हनुमान सेतु मंदिर परिसर में 101 राम भक्तों द्वारा महाशंखनाद उद्घोष का आयोजन किया गया है। यह जानकारी श्री हरिहरानंद चौरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक अमरजीत तिवारी ने दी।

श्री तिवारी ने बताया कि पांच सौ साल के संघर्ष व सैकड़ों राम भक्तों के बलिदान के बाद प्रभु कृपा से अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर तैयार हो रहा है। इस अपार खुशी से देश – दुनिया के करोड़ों सनातनी बंधु आनंदित हैं। 22 जनवरी को नवनिर्मित जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह में प्रभु श्रीराम की साढ़े चार फिट ऊँची मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इसी सिलसिले में श्री हरिहरानंद चौरिटेबल ट्रस्ट व हनुमत् कृपा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में अयोध्या के प्रवेश द्वार लक्ष्मणपुरी (लखनऊ) में गोमती तट पर स्थित प्राचीन हनुमान सेतु मंदिर परिसर में 11 जनवरी दिन गुरुवार को सुबह नौ बजे 101 श्रद्धालु जनों द्वारा महाशंख नाद उद्घोष कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

हनुमत् कृपा ट्रस्ट के अध्यक्ष व हनुमत् कृपा मासिक पत्रिका के संपादक नरेश दीक्षित ने बताया कि महाशंखनाद उद्घोष में हिस्सा लेने वाले सनातनी बंधुओं में सबसे ज्यादा समय तक शंखनाद करने वाले तीन श्रद्धालुओं को सम्मानित भी किया जाएगा। महाशंखनाद उद्घोष में शामिल होने वाले भक्तजनों में सर्वश्री सत्यम् तिवारी, आदेश पंडित, सियाराम पाण्डेय श शांत श, आचार्य रामू पाण्डेय, आनंद सिंह, कार्तिक कुमार, प्रियांशु सिंह, देवाशीष शुक्ल, रमेश शर्मा, धर्मेंद्र सक्सेना, विंध्याचल दूबे, जय मिश्र, अभिषेक सिंह, सौरभ यादव, धीरज तिवारी, अतिकेश सिंह, अनुभव कुमार, ऋषभ आदि प्रभुख रहेंगे।

एक रामायण ऐसी भी... जिसकी शुरुआत बिस्मिल्लाह सेय यहां संरक्षित है फारसी में लिखा गया यह ग्रंथ

रामपुर (संवाददाता)।एक रामायण ऐसी है, जिसकी शुरुआत बिस्मिल्लाह से होती है। फारसी में लिखी गई यह रामायण रजा लाइब्रेरी में संरक्षित है। मुगलकाल में सुमेर चंद ने वाल्मीकि रामायण का फारसी में अनुवाद किया था। राम–सीता के 258 चित्रों का संग्रह भी इसे आकर्षक बनाता है।वैसे तो हिंदू ग्रंथों की शुरुआत ऊं या श्री गणेशाय नमरू से होती है, लेकिन रामपुर की रजा लाइब्रेरी में फारसी में लिखी गई।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।